आषाढ़ शुक्ल पक्ष -8, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 16 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

21 जुलाई 2026 मंगलवार

आज का मौसम

30.4 अधिकतम

23.5 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

पानी के महत्व पर दूरदृष्टि की वह चेतावनी जिसे पूरी दुनिया अब समझ रही है...

नई विश्व व्यवस्था में भारत : सबसे बड़ा अवसर या सबसे बड़ी चुनौती?

जब बात नए वर्ल्ड ऑर्डर की हो रही है तब सवाल यह नहीं है कि भारत अमेरिका के साथ है या चीन के साथ। असली सवाल यह है कि जब दुनिया की अगली प्रतिस्पर्धा रेयर अर्थ, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा, मीठे पानी और एआई के इर्द-गिर्द होगी, तब भारत किस स्थान पर खड़ा होगा? इस प्रश्न के उत्तर लिए लगभग ढाई दशक पीछे लौटना होगा। 1 अप्रैल 2002 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय जल संसाधन परिषद की पाँचवीं बैठक में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने देश को चेताया था कि यदि जल संरक्षण और जल प्रबंधन को राष्ट्रीय प्राथमिकता नहीं बनाया गया, तो भविष्य में पानी को लेकर बड़े वैश्विक संघर्ष खड़े हो सकते हैं। उस समय बहुतों ने इसे एक राजनीतिक भाषण माना, लेकिन आज जब दुनिया जल, ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों की नई भू-राजनीति में प्रवेश कर चुकी है, तब वह चेतावनी असाधारण दूरदृष्टि का प्रमाण प्रतीत होती है।

प्रसंगवशः पार्ट-2

राजेश सिरोठिया

लेकिन इस सोच की जड़ें इससे भी पुरानी हैं। भारत के महान अभियंता और दूरदर्शी योजनाकार सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया ने स्वतंत्रता से पहले ही देश की नदियों को आपस में जोड़ने की परिकल्पना रखी थी। उनका मानना था कि भारत में पानी की कमी नहीं, बल्कि उसके असमान वितरण की समस्या है। दुर्भाग्य से उस समय यह विचार राष्ट्रीय प्राथमिकता नहीं बन सका। अटल बिहारी वाजपेयी ने इस सोच को नई दिशा दी। राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना पर पहल हुई, इंदिरा सागर, ओंकारेश्वर और बाणसागर जैसी परियोजनाओं को गति मिली। बाद के वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरदार सरोवर परियोजना पूरी हुई, केन-बेतवा लिंक परियोजना आगे बढ़ी और जल सुरक्षा को राष्ट्रीय विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी देखा जाने लगा।

इसी सोच का विस्तार ऊर्जा क्षेत्र में भी दिखाई दिया। एक समय देश कई क्षेत्रीय बिजली ग्रिडों में बंटा हुआ था। कहीं बिजली की अधिकता थी तो कहीं लगातार भारी कमी। राष्ट्रीय विद्युत ग्रिड के निर्माण और राज्यों के बीच बिजली के निर्बाध आदान-प्रदान की व्यवस्था ने इस असंतुलन को काफी हद तक दूर किया। पश्चिमी ग्रिड सहित राष्ट्रीय ग्रिड व्यवस्था ने महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, गोवा और अनेक राज्यों को अधिक विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराई, जिससे उद्योग, कृषि और निवेश को नई गति मिली। बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भी इसी दूरदृष्टि ने देश की तस्वीर बदली। स्वर्णिम चतुर्भुज (गोल्डन क्वाड्रिलेटरल) और उत्तर-दक्षिण तथा पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर जैसी महत्वाकांक्षी सड़क परियोजनाओं ने भारत को नई आर्थिक धुरी प्रदान की। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से लाखों ग्रामीण बस्तियों को मुख्य सड़कों से जोड़ा गया, जिससे गांवों की अर्थव्यवस्था और बाजारों तक उनकी पहुंच दोनों मजबूत हुई।

अटल जी के इन सपनों को पूरी गति मिलने में लगभग एक दशक का समय लगा। 2014 के बाद एनडीए सरकार ने इन्हें व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में राष्ट्रीय राजमार्गों का तेजी से विस्तार हुआ, जबकि सीमा सड़क संगठन (BRO) ने सीमावर्ती क्षेत्रों में रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सड़कें, पुल और सुरंगें बनाकर राष्ट्रीय सुरक्षा को नई मजबूती दी। इसी दौरान जल संरक्षण, नदी जोड़ो परियोजनाओं, नए बांधों, भूजल पुनर्भरण और वर्षा जल को जमीन के भीतर पहुंचाने के प्रयासों को भी अधिक गति मिली। सिंधु नदी के भारत के हिस्से के जल के बेहतर उपयोग की योजनाओं पर काम आगे बढ़ा, जबकि जम्मू-कश्मीर सहित अनेक क्षेत्रों में नई जल परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। इसका अर्थ केवल सिंचाई बढ़ाना नहीं है, बल्कि भविष्य के उस दौर की तैयारी भी है, जब मीठा पानी तेल जितना ही रणनीतिक संसाधन माना जाएगा।

ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है भारत

यह स्वीकार करना होगा कि जल प्रबंधन, रेयर अर्थ, सेमीकंडक्टर और उच्च प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भारत अभी भी चीन से काफी पीछे है। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि विश्व व्यवस्था तब बदलती है, जब नई तकनीक, नई अर्थव्यवस्था और नई राजनीतिक सोच एक साथ आगे बढ़ती हैं। आज भारत ठीक ऐसे ही ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है। इतिहास ने भारत को कई अवसर दिए, लेकिन वह हर बार उनका पूरा लाभ नहीं उठा सका। इक्कीसवीं सदी का यह अवसर अलग है। इस बार दांव केवल आर्थिक विकास का नहीं, बल्कि नई विश्व व्यवस्था में भारत की भूमिका तय करने का है। यदि नीति, तकनीक, संसाधन और राजनीतिक इच्छाशक्ति एक दिशा में आगे बढ़े, तो आने वाला समय भारत का हो सकता है। लेकिन यदि यह अवसर भी हाथ से निकल गया, तो इतिहास शायद दूसरी बार इतनी उदारता न दिखाए।

कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा... जेपी नड्डा से मुलाक़ात समय की बर्बादी थी

जंतर-मंतर पर फिर जुटे युवा, मंच बनाया पीएम बोले-नीट के दोषियों को सजा मिलेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद मार्च के दौरान सोमवार को पुलिस से टकराव के बाद माना जा रहा था कि कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन फिलहाल ख़त्म हो गया है। पुलिस प्रशासन ने जंतर मंतर को खाली कराकर आंदोलनकारियों का मंच भी हटा दिया था। लेकिन देर रात आंदोलन से जुड़े युवा फिर जुटने लगे और मंच भी बना लिया। आज दोपहर एक बजे तक सैकड़ों की संख्या में युवा जमा हो गए थे। पार्टी के अभिजीत दीपके ने आंदोलन जारी रखने का एलान किया और दोबारा संसद की और कुछ करने की बात कही। इस बीच एनडीए संसदीय दल की बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि पेपर लीक मामले में राजनीति नहीं होनी चाहिए। दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी।

सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि सोमवार को संसद मार्च में पुलिस ने बर्बरता की। दिपके ने कहा, 'हम संसद मार्च आज इसलिए नहीं निकाल रहे हैं, क्योंकि इस सरकार और पुलिस ने छात्रों का खून बहाया है। इन्हें छात्रों की कोई परवाह नहीं है, लेकिन हमें है।' उन्होंने हिरासत में लिए गए सभी युवाओं को तुरंत रिहा करने की मांग की। प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि, सोनम वांगचुक जी की भूख हड़ताल जारी है और जंतर मंतर पर हमारा प्रदर्शन भी। जेपी नड्डा के साथ जो बैठक थी वह यूजलेस थी चार घंटे बर्बाद हुए।

उधर, संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजिजू ने प्रधानमंत्री द्वारा संसदीय दल की बैठक में दिए गए बयान की जानकारी दी। रिजिजू के अनुसार प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने नीट पेपर लीक मामले में इस मामले में तुरंत कार्रवाई की और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया गया।

संसद की कार्यवाही स्थगित

उधर, संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन विपक्ष ने NEET पेपर लीक पर चर्चा की मांग की, प्लेकार्ड दिखाए और नारेबाजी की, जिसके बाद लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। राहुल गांधी ने स्पीकर से मिलकर नीट पर चर्चा की मांग की।

जंतर-मंतर पर लगातार दूसरे दिन सीजेपी से जुड़े युवा फिर जुटने लगे और मंच भी बना लिया।

समर्थकों से माफ़ी - दिपके

अभिजीत दिपके ने आज सुबह कहा, मैं अपने सभी समर्थकों से माफी मांगता हूं, खासकर उन लड़कियों से जिन्हें पुरुष पुलिस अधिकारियों ने बेरहमी से पीटा। दिल्ली पुलिस की अमानवीय हरकतों से आपको बचाने के लिए मैं और बेहतर कर सकता था। उन्होंने आगे कहा, सिर्फ एक धर्मेंद्र प्रधान को बचाने के लिए - जो 20 से ज्यादा छात्रों की मौत के लिए जिम्मेदार हैं - सरकार और भी कई युवा छात्रों का खून बहाने को तैयार थी। अगर आप घायल हुए थे और यह संदेश देख रहे हैं, तो कृपया मुझे मैसेज करें। मैं आपसे व्यक्तिगत रूप से बात करना और माफी मांगना चाहता हूं। हम आप सभी के लिए लड़ते रहेंगे।

एफटीए का विरोध

किसानों का दिल्ली कूच: खनौरी शंभू बॉर्डर सील, धारा-163 लागू

चंडीगढ़। भारत-अमेरिका प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (FTA) के विरोध में पंजाब के किसानों ने सरवन सिंह पंढेर के नेतृत्व में 'देश बचाओ मोर्चा' के तहत मोर्चा खोल दिया है। आज सैकड़ों की संख्या में किसान दिल्ली कूच के लिए शंभू और खनौरी बॉर्डर पर इकट्ठा हुए। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए प्रशासन ने शंभू बॉर्डर को पूरी तरह सील कर दिया है और इलाके में धारा 163 लागू कर दी गई है। दिल्ली कूच से पहले किसानों ने 'किसान घाट' पर चार घंटे की एक विशाल रैली की। किसान नेताओं का कहना है कि भारत-अमेरिका के बीच चल रहे व्यापार सौदे में उनसे कोई राय नहीं ली गई है।

एमपी विधानसभा

भाजपा बोली-कांग्रेस कुछ भी कर ले, यूसीसी लागू होकर रहेगा

मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन सरकार यूसीसी बिल पेश करने जा रही है। भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा- यूसीसी को लेकर मध्य प्रदेश के 10 लाख से ज्यादा लोगों ने अपनी राय रखी है। हर तरफ से ये बात आ रही है कि यूसीसी लागू होनी चाहिए। प्रदेश में यूसीसी लागू होकर रहेगा, कांग्रेस चाहे कुछ भी कर ले। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा- कांग्रेस के वोटों की फैक्ट्री बंद होगी। इधर सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले बिल के विरोध स्वरूप कांग्रेस विधायकों ने सांकेतिक नाटक का मंचन किया।

न्यूज विंडो

मालगाड़ी के 6 डिब्बे पटरी से उतरे, कई ट्रेनें हुई रद्द

नई दिल्ली। गाजियाबाद और नई दिल्ली रेल मार्ग पर आज सुबह एक बड़ा रेल हादसा होने से बाल-बाल बच गया। रूट से गुजर रही एक सामान से लदी मालगाड़ी के छह डिब्बे अचानक पटरी से उतर गए। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि, सुबह के व्यस्त समय में हुए इस हादसे के कारण इस रूट पर ट्रेनों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है।

चार भारतीयों की मौत पर भारत सख्त, रूसी राजनयिक तलब

नई दिल्ली। यूक्रेन के तट पर रूसी हमले में चार भारतीय नाविकों की मौत पर भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। भारत ने आज रूस के चार्ज डी'अफेयर्स (राजनयिक प्रतिनिधि) को तलब किया है। बता दें कि 'एमवी गोल्डन लियो' नाम के इस जहाज पर रविवार को हमला हुआ था, जब वह यूक्रेन के दक्षिणी बंदरगाह ओडेसा से निकला था। भारत ने सोमवार को गिनी-बिसाऊ के झंडे वाले मर्चेंट जहाज पर हुए हमले की निंदा की, जिसमें जहाज पर सवार 10 नाविकों की मौत हो गई थी।

तीन दिन ऐसा ही रह सकता है मौसम

दो हफ्ते के बाद बरसी राहत की बूंदें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में करीब दो से 3 सप्ताह के अंतराल के बाद मंगलवार तड़के कई जिलों में बारिश का दौर शुरू हुआ। भोपाल, सीहोर, रायसेन, इटारसी, अकोदिया और श्योपुर समेत कई इलाकों में रात 1 से 3 बजे के बीच शुरू हुई बारिश सुबह तक जारी रही। इससे तापमान में गिरावट आई और उमस से राहत मिली।

भोपाल में बिना बारिश दो सप्ताह से अधिक का समय हो चका था और उमस भरे मौसम से लोग परेशान थे। सोमवार देर रात से बारिश का दौर शुरू होने पर सभी ने राहत की सांस ली। रुक-रुककर तेज और हल्की बारिश का दौर दोपहर तक जारी रहा। मौसम विभाग ने अगले कुछ समय तक बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है। लगातार बारिश से शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है, जबकि नगर निगम ने हालात से निपटने के लिए अमले को अलर्ट मोड पर रखा है।

प्रदेश में लगातार बारिश नहीं होने से खरीफ फसलों की बोवनी प्रभावित हो रही थी। धान के खेत सूखने लगे थे, कई जगह दरारें पड़ गई थीं और किसान चिंता में थे। ताजा बारिश से खेतों में फिर पानी भर गया, फसलों को संजीवनी मिली और किसानों के चेहरों पर राहत लौट आई। बारिश का असर जनजीवन पर भी दिखा। रायसेन में सांची रोड पर पानी भरने से जाम लगा, जबकि कई क्षेत्रों में नाले-झरने फिर बहने लगे। मौसम विभाग ने पहले ही 21 और 22 जुलाई के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया था, जिसके बाद प्रदेश के कई हिस्सों में मानसून फिर सक्रिय हो गया।

राजगढ़ में 4.1 इंच बरसात

24 घंटे में भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर समेत 30 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। सबसे ज्यादा बारिश राजगढ़ में 4.1 इंच दर्ज की गई। मौसम विभाग का कहना है कि 24 से 48 घंटे तक प्रदेश के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश का दौर जारी रह सकता है।

सिक्किम की निर्माणाधीन टनल पर लैंडस्लाइड

9 मजदूरों की मौत, कई अब भी फंसे

गंगटोक। सिक्किम में एक टनल पर लैंडस्लाइड होने से उसका एंट्री गेट बंद हो गया, जिससे अंदर मौजूद 27 मजदूर फंस गए। इनमें से 9 की मौत हो गई। बाकी 19 मजदूर अब भी फंसे हैं। नामची जिले के मामरिंग स्थित समरदुंग सुरंग में निर्माण कार्य चल रहा था। जिला कलेक्टर अनुपा तामलिंग ने बताया कि फंसे हुए मजदूरों की संख्या 27 से कम या ज्यादा भी हो सकती है। सुरंग में मीथेन गैस लीक होने की आशंका है। कई बचाव कर्मियों को अंदर जाने के दौरान चक्कर आए। कुछ बेहोश भी हो गए, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन प्रभावित हुआ।

अमेरिका ने पहली बार स्वीकार किया

ईरानी हमलों में 100 सैनिक घायल

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने मान लिया है कि ईरान के जवाबी हमलों में उसके करीब 100 सैनिक घायल हुए हैं। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये सैनिक 7 जुलाई के बाद हुए हमलों में घायल हुए। इनमें से 96% सैनिक ठीक होकर ड्यूटी पर लौट चुके हैं। उन्होंने बताया कि ज्यादातर को हल्की सिर की चोट (कनकशन) लगी थी। पार्नेल ने यह बयान न्यूयॉर्क टाइम्स की उस रिपोर्ट के जवाब में दिया, जिसमें दावा किया गया था कि रक्षा मंत्रालय ईरान के साथ युद्ध में घायल हुए अमेरिकी सैनिकों की जानकारी सार्वजनिक नहीं कर रहा है। वहीं आज अमेरिका ने ईरान के 9 बड़े शहरों पर हमला किया।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर | ताशकंद में आयोजित प्रतियोगिता में 93 देशों के बीच अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

केमिस्ट्री ओलंपियाड में भारत का जलवा... चार छात्रों ने जीते गोल्ड मेडल

नई दिल्ली, एजेंसी

कभी कहा जाता था कि भारतीय छात्र सिर्फ परीक्षाओं में अच्छे अंक लाते हैं, लेकिन अब वे दुनिया की सबसे कठिन वैज्ञानिक प्रतियोगिताओं में भी शीर्ष स्थान हासिल कर रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण 58वें इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड (IChO-2026) में देखने को मिला, जहां भारत के चारों छात्रों ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इसके अलावा भारत ने चीन, वियतनाम और रूस के व्यक्तिगत प्रतिभागियों के समूह के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान भी हासिल किया। 93 देशों के 363 प्रतिभागियों के बीच यह उपलब्धि भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन मानी जा रही है।

उज्बेकिस्तान के ताशकंद में 10 से 19 जुलाई तक आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व देबदत्त प्रियदर्शी (ओडिशा), हर्षित सिंघल (पंजाब), कबीर छिल्लर (दिल्ली) और संदीप कुची (हैदराबाद) ने किया। चारों ने रसायन विज्ञान की कठिन सैद्धांतिक और प्रयोगात्मक परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इनमें कबीर छिल्लर हाल ही में जेईई एडवांस्ड परीक्षा में भी शीर्ष रैंक हासिल कर चुके हैं। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च के होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन ने कहा कि इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड में भारत की यह 27वीं भागीदारी थी और यह अब तक का उसका सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा।

यह सफलता केवल चार छात्रों की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और प्रतिभा की क्षमता का वैश्विक प्रमाण भी है। इंटरनेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड दुनिया की सबसे कठिन स्कूल-स्तरीय विज्ञान प्रतियोगिताओं में गिना जाता है। इसमें केवल वही छात्र पहुंचते हैं जो अपने-अपने देशों की कई चरणों वाली चयन प्रक्रिया और कठोर प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पार करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता देश के करोड़ों युवाओं को विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी। भारतीय युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत केवल सही मार्गदर्शन, अवसर और मेहनत की होती है।

सफलता का शॉर्टकट नहीं

भारत 1999 से इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहा है। ये चार स्वर्ण पदक केवल चार मेडल नहीं हैं। वे करोड़ों भारतीय विद्यार्थियों के सपनों का प्रतीक हैं। आज जब अक्सर युवाओं की चर्चा सोशल मीडिया, मनोरंजन या त्वरित सफलता के संदर्भ में होती है, ऐसे समय में इन चार छात्रों की कहानी अलग संदेश देती है। वर्षों की निरंतर पढ़ाई, प्रयोगशाला में अभ्यास, असफलताओं से सीखने की क्षमता और वैज्ञानिक जिज्ञासा ने उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों की कतार में खड़ा किया है। यह उपलब्धि बताती है कि वास्तविक सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता।

भोपाल मेट्रो : यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद, अब दोनों ट्रैक पर दौड़ेगी ट्रेन, प्रतिदिन 20 फेरे होंगे संचालित

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में मेट्रो के यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। इस सप्ताह से मेट्रो की सेवाएं बढ़ने जा रही हैं। कम्युनिकेशन बेस्ड ट्रेन कंट्रोल (सीबीटीसी) सिग्नलिंग सिस्टम के प्रमाणन के बाद प्रायोरिटी कारिडोर में दो ट्रैक पर संचालन शुरू हो जाएगा।

आरेंज लाइन पर फेरे बढ़कर करीब 20 प्रतिदिन हो जाएंगे। यात्रियों का सफर पहले की तुलना में काफी कम समय में पूरा होगा। मेट्रो के अधिकारियों का कहना है कि बेहतर फ्रीक्वेंसी और कम यात्रा समय से मेट्रो की विश्वसनीयता बढ़ेगी। इससे रोजाना सफर करने वाले यात्रियों की संख्या में भी वृद्धि होने की संभावना है।

ऑरेंज लाइन पर होंगे 20 फेरे

मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में एम्स भोपाल से सुभाष नगर के बीच करीब सात किलोमीटर के हिस्से में एक ही ट्रेन आगे-पीछे चल रही है। सीबीटीसी सिस्टम लागू होने के बाद दोनों ट्रैक का उपयोग किया जा सकेगा। इससे ट्रेनों के बीच अंतराल कम होगा और यात्रियों को अधिक बार मेट्रो उपलब्ध हो सकेगी। नई समय-सारणी के अनुसार मेट्रो सेवा सुबह वर्तमान समय से करीब दो घंटे पहले शुरू होगी। अभी आरेंज लाइन पर प्रतिदिन केवल 9 फेरे संचालित हो रहे हैं, जिन्हें बढ़ाकर करीब 20 किया जाएगा। इससे सुबह और शाम के व्यस्त समय में यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

अप्रैल से चल रहा था सिग्नलिंग अपग्रेड का काम

भोपाल मेट्रो की सात किलोमीटर लंबी आरेंज लाइन पर अप्रैल के तीसरे सप्ताह से सिग्नलिंग सिस्टम को अपग्रेड करने का काम चल रहा था। सुरक्षा कारणों से इस दौरान सेवाओं को सीमित रखा गया था। अधिकारियों का कहना है कि यह कटौती जरूरी थी, जिससे आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम की स्थापना और परीक्षण सुरक्षित तरीके से पूरा किया जा सके।

80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकती है मेट्रो, 981 यात्री खड़े होकर कर सकते हैं सफर

भोपाल मेट्रो का प्रायोरिटी कारिडोर करीब सात किलोमीटर लंबा है, जिसमें आठ स्टेशन शामिल हैं। मेट्रो ट्रेन की अधिकतम गति 80 किलोमीटर प्रति घंटा है। एक ट्रेन में 144 यात्रियों के बैठने और 981 यात्रियों के खड़े होकर सफर करने की क्षमता है।

कारोबारी के क्रेडिट कार्ड की क्लोनिंग का शक, ऑडिट में खुला ट्रांजेक्शन

डेढ़ साल पहले होटल में स्वाइप किया कार्ड अब इंग्लैंड में उड़ गए 3.94 लाख रुपए

भोपाल। दोपहर मेट्रो

ओमेगा रिंक बीयरिंग कंपनी के महाप्रबंधक एवं सीईओ हरीप्रकाश साइबर ठगी के अनोखे मामले का शिकार हो गए। उनके क्रेडिट कार्ड से इंग्लैंड के ताज होटल में 3 लाख 94 हजार 679 रुपए का भुगतान कर दिया गया। हैरानी की बात यह है कि उन्होंने करीब डेढ़ साल पहले कारोबारी यात्रा के दौरान इसी होटल में कार्ड स्वाइप कर भुगतान किया था। कंपनी के नियमित ऑडिट में जब बैंक स्टेटमेंट का मिलान नहीं हुआ, तब विदेशी ट्रांजेक्शन सामने आया।

हरीप्रकाश ने बैंक से संपर्क कर ट्रांजेक्शन पर आपत्ति जताई। उनका कहना था कि न उन्हें कोई ओटीपी मिला और न ही किसी लिंक पर क्लिक किया। करीब एक महीने तक बैंक से जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन और पिपलानी थाने में शिकायत की। पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्रारंभिक जांच में कार्ड क्लोनिंग की आशंका जताई जा रही है। पुलिस बैंक से ट्रांजेक्शन का तकनीकी विवरण और ऑथेंटिकेशन रिकॉर्ड मांग रही है। पुलिस मुख्यालय के माध्यम से इंग्लैंड स्थित होटल से भी भुगतान संबंधी जानकारी जुटाई जाएगी। जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि कार्ड का डेटा कहां लीक हुआ।

इन बातों का रखें ध्यान

- कार्ड को केवल अधिकृत और भरोसेमंद पीओएस मशीन पर ही स्वाइप या टैप करें।
- अंतरराष्ट्रीय ट्रांजेक्शन की सुविधा जरूरत होने पर ही सक्रिय रखें।
- हर भुगतान के लिए बैंक के एसएमएस और ई-मेल अलर्ट जरूर चालू रखें।
- संदिग्ध ट्रांजेक्शन दिखने पर तत्काल बैंक को सूचना देकर कार्ड ब्लॉक कराएं।
- बैंक स्टेटमेंट और क्रेडिट कार्ड के ट्रांजेक्शन की नियमित जांच करें।
- विदेश यात्रा के बाद भी कुछ समय तक कार्ड स्टेटमेंट पर विशेष नजर रखें।
- साइबर ठगी की आशंका होने पर तुरंत 1930 पर शिकायत करें।
- बैंक से शिकायत का रिकॉर्ड और ट्रांजेक्शन संबंधी सभी दस्तावेज सुरक्षित रखें।

डेढ़ साल बाद सामने आया कार्ड का खेल

हरीप्रकाश ने करीब डेढ़ वर्ष पहले इंग्लैंड की कारोबारी यात्रा के दौरान ताज होटल में ठहरकर क्रेडिट कार्ड से भुगतान किया था। उस समय ट्रांजेक्शन सामान्य रहा और किसी तरह की गड़बड़ी सामने नहीं आई। इसके बाद हाल ही में कंपनी के नियमित ऑडिट के दौरान बैंक स्टेटमेंट में एक विदेशी भुगतान दर्ज मिला। लेखा विभाग ने जब इस ट्रांजेक्शन का मिलान किया तो पता चला कि 3.94 लाख रुपये इंग्लैंड स्थित उसी होटल में जमा हुए हैं। हरीप्रकाश ने जांच में बताया कि उन्होंने हाल के समय में ऐसा कोई भुगतान नहीं किया और न ही विदेश में कार्ड का इस्तेमाल किया। इससे कार्ड डेटा के पुराने स्तर पर लीक या क्लोनिंग की आशंका गहरा गई। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि डेढ़ साल पुराने कार्ड डेटा का इस्तेमाल इतनी देर बाद कैसे किया गया।

न ओटीपी आया, न लिंक खुला, फिर कैसे हुआ भुगतान

साइबर ठगी के इस मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि बिना ओटीपी और किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक किए क्रेडिट कार्ड से इतनी बड़ी रकम कैसे निकल गई। हरीप्रकाश ने बैंक से संपर्क कर ट्रांजेक्शन पर आपत्ति जताई और भुगतान रोकने तथा राशि वापस करने की मांग की। उनका कहना था कि उन्होंने इस ट्रांजेक्शन को अधिकृत नहीं किया है। करीब एक महीने तक बैंक से पत्राचार के बावजूद उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई और पिपलानी थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस अब बैंक से यह जानकारी जुटा रही है कि भुगतान के दौरान किस तरह का ऑथेंटिकेशन इस्तेमाल हुआ था। इसी तकनीकी जानकारी से यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि ट्रांजेक्शन कार्ड क्लोनिंग से हुआ या किसी अन्य माध्यम से।

झूठे दुष्कर्म केस में फंसाने की धमकी देकर 20 लाख वसूले, अब 25 लाख और मांगे

स्वास्थ्य विभाग के उपसंचालक का आरोप-मदद के लिए दिए थे 12.50 लाख

भोपाल। दोपहर मेट्रो

स्वास्थ्य संचालनालय में पदस्थ उपसंचालक डॉ. हिमांशु जायसवाल ने एक महिला पर झूठे दुष्कर्म केस में फंसाने की धमकी देकर करीब 20 लाख रुपए वसूलने और अब 25 लाख रुपए की नई मांग करने का आरोप लगाया है। महिला ने कथित तौर पर रकम नहीं देने पर उनके रिश्तेदारों और परिचितों को ई-मेल भेजकर दुष्कर्म का मामला दर्ज कराने और स्वास्थ्य विभाग में शिकायत करने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर हबीबगंज थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डॉ. जायसवार के मुताबिक महिला से उनका करीब 13 साल पुराना पारिवारिक परिचय है। वर्ष 2013 में महिला के पिता स्वास्थ्य विभाग में अधिकारी थे। दोनों परिवारों के बीच पारिवारिक संबंध होने के कारण महिला ने पिता के इलाज, बाद में खुद के कैंसर उपचार, मां के इलाज, बेटी की पढ़ाई और घरेलू जरूरतों का हवाला देकर आर्थिक मदद मांगी। उन्होंने अलग-अलग समय में करीब 12.50 लाख रुपये दिए। रकम वापस मांगने पर महिला ने कथित तौर पर झूठे केस में फंसाने की धमकी देना शुरू कर दिया। आरोप है कि दबाव में डॉ. जायसवार ने नवंबर 2025 में 7.50 लाख रुपए और दिए। इसके बावजूद महिला ने 25 लाख रुपए की नई मांग कर दी। पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता ने ब्लैकमेलिंग की ऑडियो रिकॉर्डिंग, बैंक ट्रांजेक्शन, ऑनलाइन भुगतान, ई-मेल और व्हाट्सएप चैट समेत अन्य साक्ष्य सौंपे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मदद से शुरू हुआ मामला ब्लैकमेलिंग तक पहुंचा

डॉ. जायसवार के अनुसार महिला से लंबे समय से पारिवारिक संबंध होने के कारण उन्होंने उसकी आर्थिक मदद की। महिला ने शुरुआत में पिता के इलाज और बाद में अपनी बीमारी, मां के उपचार, बेटी की पढ़ाई और घरेलू खर्चों का हवाला देकर रकम उधार ली। उन्होंने अगस्त 2025 तक करीब 12.50 लाख रुपए दिए थे। रकम वापस मांगने पर कथित तौर पर महिला ने झूठे दुष्कर्म केस में फंसाने की धमकी देना शुरू कर दिया। इसके बाद नवंबर 2025 में दबाव के चलते 7.50 लाख रुपए और दिए गए। आरोप है कि इसके बावजूद ब्लैकमेलिंग जारी रही और महिला ने 25 लाख रुपये की नई मांग रख दी। पुलिस अब रिकॉर्डिंग और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की जांच कर रही है।

ओएसटी दवा में एविल मिलाकर लगाया इंजेक्शन, युवक की मौत

भोपाल. दोपहर मेट्रो। कोलार क्षेत्र में इंजेक्शन के जरिए नशा करने वाले 28 वर्षीय युवक की संदिग्ध ओवरडोज से मौत हो गई। युवक रात में घर के पास मैदान में नशा करने के बाद वहीं सो गया और सुबह मृत अवस्था में मिला। शरीर पर इंजेक्शन के निशान थे, जबकि मौके से सिरिंज और एविल की गोलियों का पत्ता भी बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान ओम नगर निवासी अक्षय काकोड़िया के रूप में हुई है। वह पिछले छह माह से नशे का आदी था।

परिजनों का आरोप है कि हत्या के प्रयास के मामले में जेल के दौरान नशा मुक्ति उपचार के तहत उसे ओपिओइड सब्स्टीट्यूशन थेरेपी (ओएसटी) की दवा दी गई थी। जेल से छूटने के बाद उसने उसी दवा में एविल मिलाकर इंजेक्शन के जरिए नशा करना शुरू कर दिया। रविवार रात भी उसने यही मिश्रण लिया, जिसके ओवरडोज से मौत की आशंका जताई जा रही है। कोलार थाने के एसआई जोगेंद्र नेगी ने बताया कि अस्पताल की सूचना पर मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा।

साहित्य अकादमी निदेशक को भेंट किया 'जो दिल खोजा आपना' लघुकथा संग्रह

भोपाल। दोपहर मेट्रो

साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद भोपाल द्वारा लेखक की प्रथम कृति प्रकाशन योजना के अंतर्गत चयनित पांडुलिपि को अनुदान दिया जाता है और यह साहित्य अकादमी के सहयोग से प्रकाशित की जाती है। इस योजना के अंतर्गत लघुकथाकार श्रीमती मेघा मैथिल की लघुकथा पांडुलिपि प्रकाशन हेतु चयनित हुई थी। कृति प्रकाशन के पश्चात लेखिका ने अपनी ' जो दिल खोजा आपना ' प्रकाशित कृति की प्रथम कृति डॉ.विकास दवे निदेशक साहित्य अकादमी को उनके कार्यालय में भेंट की। इस कृति के प्रकाशन पर श्री दवे को बधाई देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। इस पुस्तक में लेखिका द्वारा विगत वर्षों में विविध विषयों पर लिखित साठ लघुकथाएं प्रकाशित हुई है। इस संग्रह पर डॉ.देवेंद्र दीपक वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व निदेशक मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी एवं डॉ.अशोक भाटिया वरिष्ठ साहित्यकार ने अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए हैं। साथ ही श्रीमती कांता रॉय, निदेशक लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल ने भूमिका लिखी है।

जिला उपभोक्ता आयोग का बड़ा फैसला

एयर इंडिया ने 2 घंटे पहले रद्द की थी फ्लाइट भोपाल के 6 यात्रियों को देने होंगे 96 हजार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

उड़ान रद्द होने से यात्रियों को होने वाले आर्थिक नुकसान और मानसिक परेशानी की भरपाई से विमानन कंपनी अब यह कहकर नहीं बच सकेगी कि टिकट का पैसा वापस कर दिया गया है। भोपाल जिला उपभोक्ता आयोग ने एयर इंडिया की उड़ान रद्द होने से प्रभावित छह यात्रियों के पक्ष में बड़ा फैसला सुनाते हुए कंपनी को 96 हजार रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। आयोग ने माना कि उड़ान रद्द होने से यात्रियों की पूर्व निर्धारित यात्रा योजना प्रभावित हुई और उन्हें आर्थिक नुकसान के साथ मानसिक कष्ट भी झेलना पड़ा।

मामला कोटरा सुल्तानाबाद निवासी तीन परिवारों का है। डॉ. शैलेंद्र-सुषमा निगम, सुदेश-शालिनी सक्सेना और डॉ. एमएल बंजारे-बुशन बंजारे ने 11 मई 2024 को भोपाल से श्रीनगर जाने के लिए एयर इंडिया की छह टिकटें करीब 1.18 लाख रुपये में बुक कराई थीं। यात्रियों ने पहलगाम, गुलमर्ग और श्रीनगर में होटल, हाउसबोट व स्थानीय वाहनों की अग्रिम बुकिंग के साथ वापसी यात्रा के टिकट भी बुक किए थे।

पक्षी टकराने से रद्द हुई ही एयर इंडिया की उड़ान

यात्रियों के अनुसार उड़ान के निर्धारित समय से महज दो घंटे पहले उन्हें फ्लाइट रद्द होने की सूचना मिली, तब तक वे एयरपोर्ट के लिए निकल चुके थे। कंपनी ने अगले दिन की उड़ान उपलब्ध कराई, लेकिन तब तक कई बुकिंग बेकार हो चुकी थीं। एयर इंडिया ने पक्षी टकराने के कारण उड़ान रद्द होने और डीजीसीए के नियमों के तहत वैकल्पिक उड़ान उपलब्ध कराने की दलील दी। आयोग की पीठ ने इसे स्वीकार नहीं किया। अध्यक्ष योगेश दत्त शुक्ल तथा सदस्य अंजुम फिरोज और प्रीति मुद्गल ने प्रत्येक यात्री को 16 हजार रुपए, यानी कुल 96 हजार रुपए देने का आदेश दिया।

सिलाई मशीन का आयल पी गई डेढ़ साल की मासूम, मौत

भोपाल। गौतम नगर थाना क्षेत्र में खेल-खेल में सिलाई मशीन का आयल पी लेने से डेढ़ वर्षीय मासूम बच्ची की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मैक्स केयर अस्पताल से सूचना मिली कि डेढ़ वर्षीय हानिया खान (पिता इमरान खान) को गंभीर हालत में इलाज के लिए लाया गया था।परिजनों ने बताया कि बच्ची ने घर में रखा सिलाई मशीन में इस्तेमाल होने वाला आयल गलती से पी लिया था। जहरीले पदार्थ के असर से उसकी हालत बिगड़ गई। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच एएसआइ सुनील बिदुआ कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कि परिजन शोक में हैं, इसलिए उनके बयान अभी दर्ज नहीं किए जा सके हैं।

मेट्रो एंकर शिकायत के बाद खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने दो प्रमुख खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर नमूने लिए

लस्सी में मिला कीड़ा, पास्ता खाकर बच्चे के होंठ और गाल सूजे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर सामने आई दो गंभीर शिकायतों के बाद खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है।

एक ओर आनंदम रेस्टोरेंट की लस्सी में कीड़ा मिलने की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए कई खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए, वहीं पिज्जा हट से मंगाए गए पास्ता का सेवन करने के बाद एक बच्चे की तबीयत बिगड़ने के मामले में भी जांच शुरू कर दी गई है। इसी बीच महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में सिंथेटिक दूध के बड़े नेटवर्क के खुलासे के बाद मध्यप्रदेश के सभी जिलों में दूध की विशेष जांच और नमूने लेने का अभियान चलाने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

जानकारी के अनुसार खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने उपभोक्ताओं की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए शहर के दो प्रमुख खाद्य प्रतिष्ठानों का

निरीक्षण किया। पहली कार्रवाई सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज शिकायत के आधार पर नर्मदापुरम रोड स्थित पिज्जा हट (द सैफायर फूड्स प्राइवेट लिमिटेड) में की गई। शिकायत में बताया गया था कि स्विगी के माध्यम से मंगाए गए पास्ता का सेवन करने के बाद एक बालक के होंठ और गाल पर सूजन आ गई। जांच टीम ने प्रतिष्ठान से पास्ता, व्हाइट बेस, चीज और चीज स्प्रेड के नमूने लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेज दिए हैं। संबंधित प्रतिष्ठान को नोटिस जारी कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। दूसरी कार्रवाई लालघाटी स्थित आनंदम रेस्टोरेंट में की गई, जहां लस्सी में कीड़ा मिलने की शिकायत मिली थी। निरीक्षण के दौरान लस्सी के अलावा दही, पनीर, सोया चाप और बेसन सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए हैं। रेस्टोरेंट प्रबंधन को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक ने बताया कि प्रयोगशाला की रिपोर्ट आने के बाद यदि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के प्रविधानों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

शिकायत मिलते ही होगी कार्रवाई

खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता या मिलावट संबंधी किसी भी शिकायत की सूचना तत्काल सीएम हेल्पलाइन, एफएसएसएआइ फूड सेफ्टी कनेक्ट पोर्टल अथवा स्थानीय खाद्य सुरक्षा कार्यालय को दें, ताकि समयबद्ध जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

31 जुलाई तक चलेगा विशेष अभियान

मप्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन नियंत्रक मनोज पुष्प ने आदेश जारी किया है कि महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में सिंथेटिक एवं मिलावटी दूध के संगठित नेटवर्क के खुलासे के बाद सभी जिला अभिहित अधिकारी तत्काल विशेष निगरानी अभियान चलाकर 31 जुलाई तक विस्तृत रिपोर्ट मुख्यालय में पेश करें। आदेश के तहत दूध चिलिंग प्लांट, डेयरियों, संग्रहण केंद्रों, थोक विक्रेताओं और दुग्ध उत्पाद निर्माण इकाइयों का सघन निरीक्षण किया जाएगा। संदिग्ध दूध और दुग्ध उत्पादों के नमूने लेकर मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब और मैजिक बाक्स से प्राथमिक जांच की जाएगी। मिलावटी या सिंथेटिक दूध मिलने पर जब्ती, प्रतिष्ठान सील करने और कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

सैप्टिक टैंक में डूबने से नौ वर्षीय बालक की गई जान

भोपाल। खजूरी सड़क थाना क्षेत्र के ग्राम दुमड़ी में सैप्टिक टैंक में डूबने से 9 वर्षीय बालक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार 9 वर्षीय फरमान अली पिता युसूफ अली रविवार को गांव में अन्य बच्चों के साथ सरपंच के घर के पास खेल रहा था। इसी दौरान वह खुले सैप्टिक टैंक के पास पहुंच गया और अचानक उसमें गिर गया। आसपास मौजूद लोगों ने उसे बाहर निकालकर बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। खजूरी सड़क थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि सैप्टिक टैंक खुला क्यों छोड़ा गया था।

कानून-व्यवस्था पर सीएम का सख्त संदेश, समीक्षा बैठक में बोले-

हमारी पुलिस बने देश में सर्वश्रेष्ठ भर्ती-पदोन्नति में देरी बर्दाश्त नहीं

त्योहारों में मुस्तैदी, नशामुक्ति अभियान तेज करने और हर जिले में पुलिस बैंड तैयार करने के निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलिस अधिकारियों को प्रदेश में कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस को देश की सर्वश्रेष्ठ पुलिस बनाने के लिए सरकार और पुलिस विभाग के प्रयासों में किसी तरह की कमी नहीं रहनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने पुलिस मुख्यालय में अचानक पहुंचकर अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की और प्रदेश की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, पुलिस भर्ती, पदोन्नति तथा आगामी त्योहारों की तैयारियों की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग में विभिन्न स्तरों पर करीब 25 हजार पदोन्नतियां होने पर वरिष्ठ अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आरक्षक से लेकर उपनिरीक्षक और निरीक्षक स्तर तक लंबे समय से लंबित पदोन्नतियों की प्रक्रिया को विशेष अभियान के तहत पूरा किया गया है। अब भविष्य में भी पुलिस विभाग में पद रिक्त होने पर विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) के माध्यम से समय पर प्रक्रिया पूरी की जाए। इसके लिए वार्षिक कैलेंडर तैयार किया जाए, ताकि पदोन्नति की प्रक्रिया नियमित और पारदर्शी तरीके से चलती रहे।

पुलिस भर्ती बोर्ड की प्रक्रिया जल्द पूरी करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने करीब एक वर्ष पहले पुलिस भर्ती बोर्ड के गठन की घोषणा के बावजूद अब तक प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पुलिस बल में स्वीकृत और रिक्त पदों को जल्द से जल्द भरा जाए। भर्ती प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। पदों की कमी का असर सीधे कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण पर पड़ता है, इसलिए बैकलॉग समाप्त करने के साथ ही सभी स्वीकृत पदों को समय-सीमा में भरने की कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने प्रदेश की विशेष पिछड़ी जनजातियों बैगा, सहरिया और भारिया के योग्य युवाओं की नियुक्तियों पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इन जनजातियों के निवास वाले छह जिलों में युवाओं को उनकी योग्यता और रुचि के अनुरूप पुलिस सहित विभिन्न सरकारी सेवाओं में अवसर उपलब्ध कराने पर विचार करने को कहा।

नक्सलमुक्त क्षेत्रों के विकास में सहयोग करे पुलिस

डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में नक्सलवाद के खिलाफ मिली सफलता के बाद अब प्रभावित क्षेत्रों में विकास की गति तेज करने की जरूरत है। पुलिस इन क्षेत्रों में सकारात्मक गतिविधियों से जुड़कर विकास प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन के समन्वय से इन इलाकों में लोगों का विश्वास और मजबूत किया जाए। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नशामुक्ति अभियान को भी लगातार जारी रखने के निर्देश दिए।

सुरक्षा व्यवस्था रहे चाक-चौबंद

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी त्योहारों और स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों को देखते हुए राजधानी भोपाल से लेकर सभी जिलों तक पुलिस प्रशासन को समय रहते तैयारियां पूरी करनी होंगी। त्योहारों के दौरान पुलिस बल पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी निभाए और नागरिकों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए नए कानूनों का प्रदेश में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

उद्योगों को उपलब्ध कराया जाए सुरक्षा स्टाफ

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे औद्योगिक विस्तार को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि विभिन्न उद्योगों और संस्थानों को एसआईएसएफ के माध्यम से लाइसेंसधारी सुरक्षा स्टाफ उपलब्ध कराने की व्यवस्था विकसित की जाए। भविष्य में विकास क्षेत्रों के विस्तार के साथ उत्पन्न होने वाली सामाजिक और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों का आकलन कर पहले से तैयारी रखी जाए।

गणतंत्र दिवस तक हर जिले में होगा पुलिस बैंड

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आगामी गणतंत्र दिवस तक प्रदेश के प्रत्येक जिले में अपना पुलिस बैंड तैयार हो जाना चाहिए। अधिकांश जिलों में पदों की पूर्ति की जा चुकी है, जबकि शेष जिलों में भी प्रक्रिया जल्द पूरी करने को कहा गया। बैठक में पुलिस हाउसिंग बोर्ड के कार्यों, पुलिस वाहनों की जरूरत, पुलिस रिक्रूटमेंट बोर्ड के गठन और घटनास्थल पर एफएसएल की तर्ज पर त्वरित जांच व्यवस्था विकसित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों से सक्रियता और समन्वय के साथ काम करते हुए प्रदेश की पुलिस व्यवस्था को और अधिक आधुनिक, प्रभावी और जनोन्मुखी बनाने की अपेक्षा की।

हाई कोर्ट में सुनवाई के बीच मान्यता की प्रक्रिया शुरू

एमपी में 45 नए नर्सिंग कॉलेज खोलने की तैयारी मिलेंगी 30 हजार सीटें

फर्जीवाड़े के बाद अब कड़े मापदंडों पर होगी नर्सिंग कॉलेजों की जांच

नए सत्र के लिए आए 370 आवेदन, नियमों के तहत नए कॉलेज खोलने की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के निजी नर्सिंग कालेजों में एक से एक बड़े फर्जीवाड़े उजागर हो चुके हैं। लॉ स्टूडेंट एसोसिएशन की याचिका पर हाई कोर्ट में सुनवाई चल रही है। हाई कोर्ट के निर्देश पर सीबीआई ने भी मापदंडों को लेकर कालेजों की जांच की थी। अब वर्ष 2026-27 के सत्र के लिए मान्यता की प्रक्रिया चल रही है। इस बीच अच्छी खबर यह है कि 45 नए कॉलेज खोलने के लिए मप्र नर्सिंग काउंसिल के पास आवेदन आए हैं।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में निजी और शासकीय मिलाकर 327 कॉलेजों को मान्यता मिली थी, जबकि इस वर्ष नवीनीकरण और नए मिलाकर 370 आवेदन आए हैं। काउंसिल के अधिकारियों का कहना है जो नए कालेज अब खुलेंगे वे मान्यता की कसौटी पर पूरी तरह से खरे रहेंगे। आवेदन भी उन्हीं कालेजों के लिए आ रहे हैं, जिनके पास पर्याप्त संसाधन हैं। कारण, कॉलेज खोलने वालों को भी पता है कि मापदंडों को लेकर हाई कोर्ट की निगरानी में कड़ाई से निरीक्षण किया जाना है। सभी कालेजों को मान्यता मिलती है तो इनमें नर्सिंग की डिग्री और डिप्लोमा मिलाकर लगभग 30 हजार सीटें होंगी।

15 जुलाई तक पूरी करनी थी मान्यता की प्रक्रिया, अभी निरीक्षण ही पूरा नहीं

नर्सिंग कालेजों का फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद हाई कोर्ट के निर्देश पर पहली बार इंडियन नर्सिंग काउंसिल (आइएनसी) के नियमों के अनुसार प्रदेश के नर्सिंग कालेजों में प्रवेश होने हैं। मान्यता से लेकर प्रवेश तक का कैलेंडर आइएनसी के अनुसार तैयार किया गया है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए मान्यता की प्रक्रिया चल रही है। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी कलेक्टरों को नर्सिंग कालेजों का निरीक्षण कराने की जिम्मेदारी दी गई है। एक जुलाई से निरीक्षण प्रारंभ होना था। 15 जुलाई तक कालेजों की मान्यता जारी की जानी थी। हाल यह है कि अभी निरीक्षण ही कई जिलों में प्रारंभ नहीं हो पाया है। 30 सितंबर तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी करनी है। इस वर्ष जीएनएम (डिप्लोमा) में प्रवेश 12वीं के अंकों के आधार पर होना है। बीएससी नर्सिंग के लिए प्रवेश परीक्षा कर्मचारी चयन मंडल से आयोजित की जा चुकी है। कालेजों को मान्यता मिलने पर काउंसलिंग प्रारंभ होगी।

रिश्तेदारों से मिलने रायसेन पहुंचीं क्रांति गौड़

स्टारडम भूल सियरमऊ में अपनों के बीच बिताए पल

रायसेन, दोपहर मेट्रो

लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड में नाम दर्ज कराने वाली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर क्रांति गौड़ रायसेन जिले की सिलवानी तहसील के ग्राम सियरमऊ पहुंचीं। उनका यह दौरा पूरी तरह निजी था और इसकी जानकारी पहले से किसी को नहीं दी गई थी। भोपाल से सियरमऊ पहुंचीं क्रांति गौड़ का शिक्षक प्रदीप विश्वकर्मा के निवास पर स्वागत किया गया। गांव के लोगों ने भी खिलाड़ी का अभिनंदन किया। वह किसी बड़े आयोजन या सरकारी कार्यक्रम के बजाय बेहद सादगी के साथ लोगों के बीच नजर आईं।

वर्ल्ड कप-2025 खेल चुकी हैं क्रांति

इस दौरे का मुख्य उद्देश्य ग्राम पिपरिया डाबरी में रहने वाली अपनी बुआ की बेटी रिश्ते में दीदी सविता, जीजा जितेंद्र शाह और भाई बसंत ठाकुर से मुलाकात करना था। यह कोई सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं था। परिवार के साथ बिताए गए इन पलों ने उनकी सादगी और अपनेपन को दर्शाया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करने के बावजूद, क्रांति गौड़ का अपनी जड़ों से जुड़ाव लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है।

गांव के लोगों ने उनके सहज और सरल व्यवहार की सराहना की। क्रांति गौड़ एक भारतीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हैं। वह घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश और महिला प्रीमियर लीग में यूपी वॉरियर्स का प्रतिनिधित्व करती हैं। क्रांति गौड़ महिला क्रिकेट विश्व कप-2025 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं।

रक्षाबंधन से पहले डाक विभाग की बड़ी तैयारी

43 प्रधान डाकघरों में खुलेंगे विशेष राखी काउंटर, विदेश भेजने की भी खास व्यवस्था

- **अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती से भीड़ प्रबंधन बेहतर किया जाएगा।**
- **विदेश भेजी जाने वाली राखियों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी।**

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रक्षाबंधन के त्योहार को देखते हुए मध्य प्रदेश डाक विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बहनों की राखियां समय पर भाइयों तक पहुंचें, इसके लिए राज्य के सभी 43 प्रधान डाकघरों में विशेष राखी काउंटर बनाए जाएंगे। यहां केवल राखी और उससे जुड़े पार्सल की बुकिंग की जाएगी।

भीड़ को संभालने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती, हेल्प डेस्क और स्पीड पोस्ट की विशेष निगरानी की व्यवस्था भी रहेगी। विभाग का कहना है कि इस बार पिछले वर्ष की तकनीकी समस्याओं से सबक लेते हुए व्यवस्थाओं को और अधिक मजबूत बनाया गया है। डाक विभाग ने सभी प्रधान डाकघरों में राखी बुकिंग के लिए अलग काउंटर बनाने का निर्णय लिया है। इन काउंटरों पर केवल राखी और संबंधित पार्सल स्वीकार किए जाएंगे, जिससे सामान्य डाक सेवाएं प्रभावित न हों और त्योहार के दौरान

बुकिंग कराने की सही जानकारी देने चलाए जाएंगे जागरुकता अभियान

इस बार डाक विभाग विदेशों में रहने वाले भाइयों तक भी राखियां समय पर पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चला रहा है। लोगों को समय पर बुकिंग कराने और सही प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे, ताकि अंतरराष्ट्रीय डाक में किसी प्रकार की देरी न हो।

पिछले साल की तकनीकी समस्याओं से लिया सबक

वर्ष 2025 में नया आईटी सिस्टम 2.0 लागू होने के बाद शुरुआती दिनों में सर्वर और नेटवर्क संबंधी दिक्कतों के कारण राखी सहित अन्य डाक सामग्री की बुकिंग और वितरण प्रभावित हुआ था। कर्मचारियों के लिए नया सिस्टम भी चुनौती बना था, जिससे कई डाकघरों में लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ा।

सर्वर अपग्रेड, स्पीड पोस्ट पर विशेष निगरानी

सहायक निदेशक चंद्रेश जैन के अनुसार इस बार सर्वर क्षमता बढ़ाई गई है और आईटी सिस्टम को अधिक स्थिर बनाया गया है। स्पीड पोस्ट की विशेष निगरानी, तेज डाक प्रसंस्करण और अतिरिक्त स्टाफ की व्यवस्था की गई है। वहीं, सावन के मद्देनजर सभी 43 प्रधान डाकघरों में गंगाजल उपलब्ध कराने की तैयारी भी शुरू कर दी गई है, ताकि श्रद्धालुओं को डाकघरों के माध्यम से यह सुविधा आसानी से मिल सके।

दुर्घटना में मां को खोने वाले बच्चों के साथ सरकार

सीएम ने दी 5 लाख की मदद, बोले- खुद को अकेला न समझें, हर संभव सहायता मिलेगी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इंदौर में हुई दर्दनाक दुर्घटना में अपनी मां को खोने वाले दो मासूम बच्चों के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संवेदनशील पहल की है। उन्होंने इंदौर की डाक सहायक स्वर्गीय उर्मिला सैनी के बच्चों की शिक्षा और भविष्य को सुरक्षित करने के लिए 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मां का जाना बच्चों के जीवन की सबसे बड़ी पीड़ा है, लेकिन सरकार उनके साथ खड़ी है और उनकी पढ़ाई-लिखाई में किसी तरह की परेशानी नहीं

आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि बच्चों के नाम 5 लाख रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट कराई जाएगी। इस एफडी से मिलने वाली ब्याज राशि का उपयोग दोनों बच्चों की स्कूली और उच्च शिक्षा के लिए किया जाएगा। इससे बच्चों की पढ़ाई निरंतर जारी रह सकेगी और उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सीएम ने बंधाया ढांढस

मासूम प्रेक्षा 15 वर्ष अपने नाना श्री सत्यनारायण मालाकार और अन्य परिजनों के साथ विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में डॉ. यादव से मिली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी और बच्चों को भरोसा दिलाया कि वे खुद को अकेला न समझें। सरकार उनके साथ है और जरूरत के समय हरसंभव सहयोग करेगी।

इंद्रदेव को प्रसन्न करने गांव के बाहर सामूहिक भोजन बना रहे राजगढ़ के किसान

राजगढ़/ मलावर। जिलेभर में शुरुआती बुवाई करवाने के बाद मानसून 12 दिन से गायब है। मौसम वैज्ञानिक लगातार वर्षा की संभावना जता रहे हैं, लेकिन बादल बिना पानी बरसाए लौट जा रहे हैं। वर्षा की लंबी खेंच के कारण अब किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा सकती हैं। नमी के अभाव में खेतों में बड़ी-बड़ी दरारें पड़ने लगी हैं। दोपहर होते ही सोयाबीन के पौधे मुरझाने लगे हैं। समय पर खरपतवार नाशक दवाई का छिड़काव भी नहीं हो पा रहा, जिससे उत्पादन पर सीधा असर पड़ने की आशंका है। वर्षा के लिए किसान अब प्रकृति और परंपरा का सहारा ले रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। कहीं मंदिरों में सप्ताजी और अखंड भजन-पूजन हो रहे हैं तो कहीं गांव के बाहर सामूहिक रूप से भोजन बनाकर इंद्रदेव को प्रसन्न करने की पुरानी परंपरा निभाई जा रही है।

उज्जैन आने वाले कावड़ यात्रियों को फ्री में भोजन कराएगी मंदिर समिति

उज्जैन, दोपहर मेट्रो

श्रावण मास में भगवान महाकाल का जलाभिषेक करने आने वाले कावड़ यात्रियों को मंदिर प्रबंध समिति निश्शुल्क भोजन कराएगी। इसके लिए इंदौर रोड पर अस्थायी अन्नक्षेत्र का संचालन किया जाएगा। इसके अलावा श्रावण-भाद्रपद मास के प्रत्येक सोमवार पर देशभर से आने वाले भक्तों को परंपरा अनुसार अन्नक्षेत्र में निश्शुल्क फलाहारी महाप्रसादी की व्यवस्था रहेगी। भक्त दोपहर 12 से रात 8 बजे तक महाप्रसादी ग्रहण कर सकते हैं।

महाकाल मंदिर समिति द्वारा श्री महाकाल महालोक के सामने पार्किंग परिसर में निश्शुल्क अन्नक्षेत्र का संचालन किया जाता है। मंदिर समिति प्रतिदिन करीब 10 हजार भक्तों को भोजन प्रसादी ग्रहण कराती है। श्रावण-भाद्रपद मास में प्रत्येक सोमवार को भक्तों को निश्शुल्क फलाहार प्रसाद की व्यवस्था रहती है। यह परंपरा करीब 20 साल से चली आ रही है।

स्थान की तलाश कर रहे अफसर

दो साल पहले सेवा की इस श्रृंखला में कावड़ यात्रियों के लिए भोजन प्रसादी की नई सुविधा को जोड़ा गया है। मंदिर समिति इंदौर रोड पर कावड़ यात्रियों के लिए अस्थायी अन्नक्षेत्र का संचालन करती है। इस बार भी कावड़ यात्रियों के लिए भोजन प्रसादि का विशेष इंतजाम किया जाएगा। बताया जाता है वर्तमान में इंदौर रोड पर सिंहस्थ के निर्माण कार्य प्रचलित है, ऐसे में अफसर स्थान की तलाश कर रहे हैं।

मेट्रो एंकर | आयुष्मान भारत में मध्यप्रदेश का राष्ट्रीय परचम

बायोमेट्रिक प्री-ऑथराइजेशन में देशभर में मिला सम्मान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। प्रदेश को बेस्ट परफार्मिंग लार्ज स्टेट-हाइयेस्ट प्री-ऑथराइजेशंस विथ बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन श्रेणी में राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार बायोमेट्रिक आधारित प्री-ऑथराइजेशन प्रणाली को सफल, पारदर्शी और तकनीक-संचालित तरीके से लागू करने के लिए प्रदान किया गया है। इस उपलब्धि के साथ मध्यप्रदेश ने देश के बड़े राज्यों में अग्रणी स्थान हासिल किया है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा नई दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में आयोजित राष्ट्रीय

समीक्षा बैठक (चिंतन शिविर) में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सचिव सुश्री पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अरविंद शाह को यह राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल, संयुक्त सचिव किरण गोपाल वास्का सहित एनएचए और यूआईडीएआई (आधार) के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, तकनीक आधारित सुशासन और जनकल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का राष्ट्रीय प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और आमजन के लिए सुलभ बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

तकनीक से बढ़ी पारदर्शिता, मरीजों को मिल रहा त्वरित लाभ

बायोमेट्रिक आधारित प्री-ऑथराइजेशन व्यवस्था के माध्यम से मरीजों की पहचान अधिक सुरक्षित और प्रमाणिक हुई है। इससे फर्जीवाड़े पर प्रभावी रोक लगी है और पात्र हितग्राहियों को समय पर कैशलेस उपचार की सुविधा मिल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल तकनीक के बेहतर उपयोग और प्रशासनिक दक्षता के कारण मध्यप्रदेश ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। यह राष्ट्रीय सम्मान न केवल प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की उपलब्धि है, बल्कि तकनीक आधारित सुशासन और पारदर्शी प्रशासन की दिशा में मध्यप्रदेश की बढ़ती पहचान का भी प्रतीक है।

नई बिसात पर क्वाड

विश्व राजनीति में कुछ घटनाएं ऐसी होती हैं, जिनका महत्व उनके घोषणापत्र से नहीं, बल्कि उनके समय से तय होता है। फिलीपींस की राजधानी मनीला में होने जा रही क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक भी ऐसी ही एक कूटनीतिक घटना है। दो महीने के भीतर दूसरी मंत्रीस्तरीय बैठक यह संकेत देती है कि हिंद-प्रशांत अब केवल समुद्री मानचित्र का एक भूभाग नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी की वैश्विक राजनीति का सबसे निर्णायक मंच बन चुका है। कुछ समय पहले तक यह धारणा बन रही थी कि अमेरिका की विदेश नीति का फोकस बदल रहा है और क्वाड उसकी प्राथमिकताओं की सूची में पीछे खिसक रहा है। लेकिन कूटनीति में धारणाएं अक्सर घटनाओं के सामने टिक नहीं पातीं। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का यह कहना कि 'हमारे क्वाड साझेदार बेहद महत्वपूर्ण हैं' और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की लगातार दूसरी बैठक में भागीदारी इस बात का संकेत है कि वाशिंगटन ने हिंद- प्रशांत की रणनीतिक अहमियत को नए सिरे से रेखांकित करना शुरू कर दिया है। इस सक्रियता की पृष्ठभूमि भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। एक ओर होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की चिंता बढ़ा रहा है, तो दूसरी ओर दक्षिण चीन सागर क्षेत्रीय प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा का केंद्र बना हुआ है। दुनिया के बड़े व्यापारिक मार्गों और ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा इन्हीं समुद्री क्षेत्रों से जुड़ी है। ऐसे में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का एक मंच पर बार-बार मिलना केवल कूटनीतिक शिष्टाचार नहीं, बल्कि बदलते शक्ति-संतुलन का उत्तर भी है। हालांकि क्वाड की सफलता केवल सुरक्षा विमर्श से तय नहीं होगी। यदि यह मंच समुद्री सहयोग के साथ तकनीक, आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और आर्थिक साझेदारी जैसे क्षेत्रों में ठोस पहल करता है, तभी इसकी प्रासंगिकता और विश्वसनीयता दोनों मजबूत होंगी। आज दुनिया ऐसे बहुपक्षीय मंचों की अपेक्षा केवल बयान जारी करने के लिए नहीं, बल्कि साझा समाधान प्रस्तुत करने के लिए करती है। भारत के लिए यह मंच विशेष महत्व रखता है। उसकी विदेश नीति लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता और बहुपक्षीय सहयोग के बीच संतुलन बनाने की रही है। हिंद-प्रशांत में मुक्त, सुरक्षित और नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था भारत के आर्थिक, सामरिक और व्यापारिक हितों से सीधे जुड़ी है।

बलोचिस्तान में स्वघोषित आजादी अब भारतीय भागीदारी की दरकार

प्रमोद भार्गव
स्तंभकार

रिपब्लिक ऑफ बलोचिस्तान के नाम से सोशल मीडिया पर एक स्वघोषित बयान और पत्र वायरल हुए हैं। इसमें बलोच नेता मीर यार बलोच और कुछ पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने बलोचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया है। अपना नया झंडा और राष्ट्रगान जारी करते हुए सरकार बना लेने का दावा भी किया है। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने 27 पुलिसकर्मियों का अपहरण कर हत्या कर दी है। इससे बलोच आंदोलन उत्साहित हुआ है और वे जल्द कानूनी रूप में आजादी मिल जाने की उम्मीद करने लगे है। हालांकि इस हत्याकांड के बाद पाकिस्तान सेना ने बलोचिस्तान में फ्रंटियर कोर, पुलिस व आतंकवाद निरोधक बल के साथ ऑपरेशन शाबान शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के सामने अब बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि बीएलए को इजराइली खुफिया एजेंसियों से धन, तकनीक और आधुनिक संचार उपकरण मिल रहे हैं। पाक सेना ने लड़ाकों के पास से स्टारलिंग उपकरण जब्त किए हैं।

विद्रोही बलोचों ने करीब 85 प्रतिशत बलोचिस्तान की भूमि पर काबिज होने का दावा किया है। बलोच कार्यकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की अपील भी कर दी है। यह पाकिस्तान का वह प्रमुख क्षेत्र है, जहां से चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा गुजर रहा है। इसकी सुरक्षा और भविष्य को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। यही वह क्षेत्र है, जहां अत्यंत दुर्लभ खनिज एवं प्राकृतिक गैसें उपलब्ध हैं। यही पाकिस्तान की अर्थव्यस्था की रीढ़ हैं। बलोचिस्तान प्रांत में लंबे समय से स्वतंत्रता की जो लड़ाई चल रही है, वह अब सफलता के शिखर पर है। बलोचिस्तान को नए देश के रूप में मान्यता मिल जाती है तो 1971 के बाद पाकिस्तान की भूमि पर दूसरा बड़ा विभाजन दिखाई देगा। 1971 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी सेना को सैनिक मदद देकर पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे। अब बलोच भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग करते हुए दिल्ली में बलोचिस्तान का दूतावास खोलने की मांग कर रहे हैं।

प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता मीर यार बलोचिस्तान के लोगों के अधिकारों की वकालत के लिए जाने जाते हैं। बलोचों ने संयुक्त राष्ट्र से बलूचिस्तान में शांति रक्षक बल भेजने और पाक सेना को बलोच सीमा क्षेत्र से बाहर कर देने का आग्रह भी किया है। यदि बलोच स्वतंत्र देश बन जाता है तो भारत-पाक युद्ध के बीच 1971 की तरह एक युगांतरकारी घटना देखने को मिलेगी, जिसमें बलोचों द्वारा मनाए जाने वाले उत्सव में भारत भी भागीदार हो सकता है। बलोचों की स्वतंत्रता की संभावना का अहसास पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने भी जताया है। उनका कहना है कि बलोचिस्तान पर अब सेना और सरकार का नियंत्रण ढीला पड़ रहा है। यहां के हालात इतने खराब हैं कि सरकारी मंत्री तक बाहरी सुरक्षा के बिना बाहर नहीं निकल सकते हैं। सेना के जवान अपने ही देश में बंकरों में छिपे हैं।

बलोचिस्तान में विद्रोह की आग चरम पर है। बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी आजादी की मांग करने वाला सबसे पुराना सशस्त्र अलगाववादी संगठन है। यह संगठन पहली बार 1970 में अस्तित्व में आया था। इसने जुल्फिकार अली भुट्टो के कार्यकाल में बलोचिस्तान प्रांत में सशस्त्र विद्रोह का शंखनाद किया था। कालांतर में सैनिक तानाशाह जिया उल हक द्वारा सत्ता हथियाने के बाद बलोच नेताओं के साथ बातचीत हुई, जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम की स्थिति बन गई थी। नतीजतन बलोचिस्तान में सशस्त्र विद्रोह खत्म हो गया था और बीएलए का भी कोई वजूद नहीं रह गया था। किंतु कारगिल युद्ध के बाद सैन्य तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ का तख्तापलट कर सत्ता हथिया ली। इसके बाद मुशर्रफ के संकेत पर साल 2000 में बलोचिस्तान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नवाबमिरी की हत्या कर दी गई और मुशर्रफ ने कुटिल चतुराई बरतते हुए पाक सेना से इस मामले में आरोपी के रूप में बलोच नेता खेरबक्ष मिरी को गिरफ्तार करा दिया। इसके बाद फिनिक्स पक्षी की तरह बीएलए फिर उठ खड़ा हुआ। जगह-जगह हमले शुरू हो गए। साल 2020 में एकाएक बीएलए की ताकत बढ़ गई और बलोचिस्तान के सरकारी प्रतिष्ठानों तथा सुरक्षाबलों पर हमलों की संख्या बढ़ती चली गई।

बीएलए बलोचिस्तान में चीन के प्रभाव को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि चीन बलोचिस्तान की प्राकृतिक संपदा को हड़पने का काम कर रहा है। इसी नजरिए से ग्वादर बंदरगाह को विकसित करने के साथ एक बड़ा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भी बना रहा है। दरअसल भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के समय बलोचिस्तान में बलोचों की इच्छा के बिना बंदूक की जोर पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया था। जबकि वे स्वयं को एक स्वतंत्र देश के रूप में देखना चाहते थे। अतैव पाक की स्वतंत्रता के समय से ही बलोचों का संघर्ष पाक सरकार और सेना से निरंतर बना हुआ है। बीएलए जब साल 2000 में वजूद में आया था तब इसके लड़ाकों की संख्या 6000 से भी ज्यादा थी, जिसमें करीब 150 आत्मघाती दस्ते शामिल थे।

बलोचिस्तान की कलात रियासत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता की घोषणा करने के बाद 27 मार्च 1948 को पाकिस्तान में शामिल हो गई थी। लेकिन बलोचिस्तान ने पाक में विलय को कभी स्वीकार नहीं किया। लिहाजा यहां अलगाव की आग निरंतर बनी रही है। नतीजतन 2001 में यहां 50 हजार लोगों की हत्या पाक सेना ने कर दी थी। इसके बाद 2006 में अत्याचार के विरुद्ध आवाज बुलंद करने वाले 20 हजार सामाजिक कार्यकर्ताओं को अगवा कर लिया गया था, जिनका आज तक पता नहीं है। 2015 में 157 लोगों के अंग-भंग किए गए थे। फिलहाल पुलिस ने जाने-माने एक्टिविस्ट बाबा जान को भी हिरासत में लिया हुआ है। पिछले 20 साल से जारी दमन की इस सूची का खुलासा एक अमेरिकी संस्था ने किया है। वाशिंगटन में कार्यरत संस्था गिलगित-बलोचिस्तान नेशनल कांग्रेस के सेंग सिरिंग ने मोदी द्वारा उठाए, इस सवाल का समर्थन किया है कि 'पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और बलोचिस्तान में लोगों पर होने वाले जुल्म एवं अत्याचार के बाबत पाक को दुनिया के समक्ष जवाब देना होगा ? पाक तो जवाब देने वाला नहीं है, लेकिन भारत की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह बलोचिस्तान की स्वतंत्रता में भागीदार बने?

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हमारी सदियों पुरानी परंपरा का जीवंत उत्सव है जगन्नाथ रथ यात्रा

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएं अनादि काल से मानवता को आध्यात्मिकता, समरसता और भक्ति की राह पर चलने की प्रेरणा देती आई हैं। इन्हीं पवित्र परंपराओं में एक है उड़ीसा के पुरी में निकलने वाली जगन्नाथ रथ यात्रा, जो केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि करोड़ों आस्थाओं, परंपराओं और लोक मान्यताओं का प्रतीक है। हिंदू पंचांग के अनुसार, आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से शुरू हुई यह यात्रा नौ दिनों तक चलती है, जो 24 जुलाई को समाप्त होगी। इस दौरान भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा के साथ भव्य रथों पर सवार होकर पुरी के मुख्य मंदिर से निकलकर मौसी के घर गुंडिचा मंदिर तक की यात्रा करते हैं। यह आयोजन न केवल भारत के सबसे प्राचीन धार्मिक उत्सवों में से एक है बल्कि विश्व के सबसे बड़े वार्षिक सार्वजनिक आयोजनों में भी इसकी गिनती होती है, जिसमें लाखों श्रद्धालु देश-विदेश से भाग लेने आते हैं।

पुरी का जगन्नाथ मंदिर भारत के चार प्रमुख धामों (बद्रीनाथ, द्वारका, रामेश्वरम और पुरी) में से एक है। यह मंदिर न केवल वास्तुकला की दृष्टि से विशिष्ट है बल्कि इसकी महत्ता धार्मिक ही नहीं, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी अत्यंत विशिष्ट है। भगवान जगन्नाथ को विष्णु के अवतार के रूप में पूजा जाता है और यह मंदिर उनके भाई बलभद्र तथा बहन सुभद्रा के साथ विराजने वाले एकमात्र मंदिर के रूप में प्रसिद्ध है। रथ यात्रा के माध्यम से यह 'त्रिदेव' जब मंदिर की सीमाओं से बाहर निकलते हैं तो भक्तों के लिए यह अवसर होता है प्रभु को निकट से देखने, उनके रथ को खींचने और मोक्ष की दिशा में एक कदम बढ़ाने का। इस रथ यात्रा की परंपरा का उल्लेख स्कंद पुराण, ब्रह्म पुराण और अन्य पुरातन ग्रंथों में मिलता है। मान्यता है कि रथ यात्रा में भाग लेने और विशेषकर रथ खींचने से समस्त पापों का नाश होता है और व्यक्ति को जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति मिलती है। यह यात्रा मानवीय समर्पण और भक्ति की पराकाष्ठा का जीवंत प्रदर्शन है, जहां हर कोई, चाहे वह राजा हो या आमजन, एक ही पंक्ति में खड़ा होकर भगवान की सेवा करता है।

रथ यात्रा की सबसे अनूठी परंपरा है 'छेरा' की रस्म। यह रस्म रथ यात्रा के पहले दिन पुरी के राजा द्वारा निभाई जाती है, जिसमें वे सोने की झाड़ू से तीनों रथों की सफाई करते हैं। इस परंपरा का आध्यात्मिक और सामाजिक संदेश अत्यंत गहन है। एक राजा, जो स्वयं राज्य का सर्वोच्च होता है, भगवान के समक्ष स्वयं को एक सेवक मानकर झाड़ू लगाता है। यह प्रतीक है भगवान के समक्ष सभी के समान होने का, जहां न कोई ऊंचा है, न कोई नीचा। यह सामाजिक समरसता का वह आदर्श उदाहरण है, जो आज के समाज में अत्यंत आवश्यक है। जब लाखों की भीड़ 'जय जगन्नाथ' के उद्घोष के साथ इन रथों को खींचती है, तब वह केवल रथ नहीं खींच रही होती, वह अपनी भक्ति, आस्था, सेवा और आत्मशुद्धि की भावना को आगे बढ़ा रही होती है। भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा के रथों को नंदीघोष, तालध्वज और दर्पदलन कहा जाता है, जिन्हें हर वर्ष नए सिरे से विशेष प्रकार की नीम की लकड़ी से निर्मित किया जाता है। इन रथों का निर्माण विशेष रीति-रिवाज और शास्त्र सम्मत विधियों से होता है, जिसमें सैंकड़ों शिल्पकार और सेवक कई महीनों तक जुटे रहते हैं। हर रथ की अपनी आकृति, रंग, ध्वज और प्रतीक होते हैं, जो देवताओं के स्वरूप और गुणों का प्रतिनिधित्व करते हैं। रथों की ऊंचाई और आकृति निश्चित नियमों के अनुसार होती है। नंदीघोष रथ की ऊंचाई लगभग 45 फीट होती है और इसमें 16 चक्के होते हैं। तालध्वज रथ में 14 चक्के होते हैं और इसकी ऊंचाई लगभग 44 फीट होती है। दर्पदलन रथ सबसे छोटा होता है, जिसमें 12 चक्के होते हैं और यह लगभग 43 फीट ऊंचा होता है। यात्रा के दौरान तीनों रथों को श्रीमंदिर से गुंडिचा मंदिर तक खींचा जाता है और वहां सात दिनों तक भगवान विश्राम करते हैं। यह यात्रा किसी साधारण जुलूस की तरह नहीं होती बल्कि यह हजारों वर्षों से चली आ रही ऐसी आध्यात्मिक परंपरा है, जिसे केवल आंखों से नहीं, आत्मा से अनुभव किया जाता है।

रथ यात्रा से जुड़े कई पौराणिक प्रसंग भी हैं, जिनमें से सबसे प्रसिद्ध स्कंद पुराण में वर्णित कथा है। इसके अनुसार, एक दिन भगवान श्रीकृष्ण की बहन सुभद्रा ने द्वारका शहर घूमने की इच्छा प्रकट की। तब श्रीकृष्ण और बलराम उन्हें रथ पर बैठाकर नगर दर्शन कराने ले गए। यही प्रसंग पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा के रूप में जीवंत होता है, जहां भगवान अपनी बहन को साथ लेकर नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं। इस यात्रा के हर पड़ाव पर धार्मिक रस्में होती हैं, जैसे कि हेरा पंचमी, जब देवी लक्ष्मी क्रोधित होकर भगवान के देर से लौटने पर मंदिर के बाहर प्रतीक्षारत रहती हैं। इसके बाद बहुड़ा यात्रा होती है, जब भगवान जगन्नाथ गुंडिचा मंदिर से वापस अपने मुख्य मंदिर आते हैं। 24 जुलाई को वापसी के बाद उनका भव्य स्वागत किया जाएगा और सुनाबेसा रस्म के अंतर्गत उन्हें स्वर्णाभूषणों से सजाया जाएगा।

जगन्नाथ रथ यात्रा की लोकप्रियता केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, जर्मनी, जापान जैसे कई देशों में इस यात्रा का आयोजन किया जाता है, विशेष रूप से इस्कॉन संस्था द्वारा। इस यात्रा ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की आध्यात्मिक शक्ति और सांस्कृतिक प्रभाव को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।रथ यात्रा का एक महत्वपूर्ण पक्ष है इसकी सामाजिक और आर्थिक भूमिका। इस यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंचते हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी जबरदस्त बल मिलता है। होटल, लॉज, रेस्तरां, हस्तशिल्प, पारंपरिक परिधान और लोक कला से जुड़े व्यवसाय इस अवसर पर खूब फलते-फूलते हैं। पुरी का 'पटकमाल' (महाप्रसाद), स्थानीय शिल्पकारों द्वारा बनाए गए रथ मॉडल्स, पारंपरिक भजन और कीर्तन की प्रस्तुतियां भी इस यात्रा को एक सांस्कृतिक महोत्सव में बदल देती हैं। यह केवल धर्म का उत्सव नहीं, लोकजीवन का उत्सव बन जाता है। कुल मिलाकर, कहा जा सकता है कि जगन्नाथ रथ यात्रा न केवल एक धार्मिक उत्सव है बल्कि भारतीय संस्कृति, समर्पण, समानता और सामाजिक एकता की ऐसी गाथा है, जो पीढ़ियों से चली आ रही है और आज भी उतनी ही प्रासंगिक है। यह हमें सिखाती है कि जब हम समर्पण के भाव से आगे बढ़ते हैं तो स्वयं ईश्वर हमारे रथ में सवार होकर हमें मार्ग दिखाने आते हैं।- जय जगन्नाथ!

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

अस्थमा के शिकार फेफड़ों को मजबूत बना सकते हैं विटामिन A और D

अस्थमा दुनिया भर में करोड़ों लोगों को प्रभावित करने वाली दीर्घकालिक बीमारी है। इसमें वायुमार्ग में सूजन, बलगम का अधिक बनना और मांसपेशियों का सिकुड़ना शामिल होती है, जिससे मरीज को सांस लेने में तकलीफ, सांस लेते समय सीटी जैसी आवाज आने, खांसी और सीने में जकड़न महसूस होती है। हाल ही में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि विटामिन ए और विटामिन डी का पर्याप्त स्तर फेफड़ों के स्वास्थ्य और अस्थमा के लक्षणों में सुधार से जुड़ा हो सकता है। हालांकि शोधकर्ताओं ने यह भी स्पष्ट किया है कि इन विटामिन्स को केवल डॉक्टर की सलाह पर ही सप्लीमेंट के रूप में लेना चाहिए। एनसीबीआई के अनुसार अस्थमा केवल सांस की बीमारी नहीं है, बल्कि यह शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली और सूजन से भी जुड़ी होती है। इसलिए संतुलित आहार फेफड़ों की कार्यक्षमता और प्रतिरक्षा क्षमता दोनों को प्रभावित कर सकता है। फल, हरी सब्जियां, साबुत अनाज, मेवे और विटामिन्स से भरपूर भोजन शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस कम करने में मदद कर सकते हैं।

बीएमजे जनरल में छपी स्टडी के अनुसार अस्थमा से पीड़ित लोगों के Vitamin A और Vitamin D स्तर तथा उनकी फेफड़ों के कार्यों का विश्लेषण (analysis) किया गया। अध्ययन में पाया गया कि जिन प्रतिभागियों के शरीर में इन दोनों विटामिन्स का स्तर पर्याप्त था, उनमें फेफड़ों की कार्यक्षमता बेहतर देखने को मिली। रिसचर्स का मानना है कि विटामिन ए श्वसन तंत्र की कोशिकाओं की सुरक्षा करता है, जबकि विटामिन डी प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को संतुलित करके सूजन कम करने में मदद कर सकता है। एनसीबीआई के अनुसार विटामिन ए की कमी होने पर संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है और श्वसन तंत्र की सुरक्षा कमजोर हो सकती है। विटामिन ए शरीर में कई महत्वपूर्ण कार्य करता है। यह रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट की अंदरूनी परत (Respiratory Epithelium) को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। यही परत धूल, एलर्जी पैदा करने वाले कणों और संक्रमण से शरीर की पहली सुरक्षा करती है। विटामिन ए में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण कोशिकाओं को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचाने में भी भूमिका निभाते हैं। यह विटामिन वायुमार्ग की सूजन को नियंत्रित करने और शरीर की संक्रमण से लड़ने की क्षमता को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। हालांकि सभी मरीजों में विटामिन डी सप्लीमेंट्स समान लाभ देगा, ऐसा अभी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता।

निशाना

बेलगाम वाहन सड़कों पर..!

कुमार अखिलेश

बेलगाम वाहन सड़को पर दौड़ रहें है,
यातायात के नियमों को तोड़ रहें है।
लगातार सड़क दुर्घटनाएं बढ़ रहीं है,
रोज विभीषिका की इबारत गढ़ रही है।
हर साल लाखों लोग आहत होते है,
परिजनों को दुर्घटनाओं में खोते है।
युवा सबसे ज्यादा शिकार हो रहें है,
दुर्घटना में अपने प्राणों को खो रहें है।
सड़क दुर्घटना में जो अपनों को खोते है,
जीवन भर परिजन खून के आँसू रोते है।
वाहन से सड़कों पर करतब ना दिखाइए,
सुरक्षित तरीके से अपने वाहन चलाइए।
जागरूक नागरिक होने का परिचय दीजिए,
सीट बेल्ट और हेलमेट का उपयोग कीजिए।
सुरक्षित तरीके से जब हम वाहन चलाएंगे,
अपने साथ दूसरों का जीवन भी बचाएंगे।

कंज्यूमर अपडेट

बदल रहा है लोहे वाला भारी गैस सिलेंडर बेहतर है कंपोजिट सिलेंडर तकनीक

रसोई गैस सिलेंडर का भारी-भरकम और जंग लगे लोहे वाला रूप पूरी तरह से बदलने वाला है। दरअसल देश की मुख्य ऑयल मार्केटिंग कंपनियों जैसे BPCL और HPCL ने गैस सिलेंडर की तकनीक को पूरी तरह से बदल दिया है। हाल ही में इन कंपनियों ने Bharatgas Lite ZIP और Swiggy Instamart के साथ HP Navya को पेश किया है। दरअसल ये नए जमाने के कंपोजिट सिलेंडर्स हैं।

जिन्हें आधुनिक तकनीक और बेहतर फीचर्स के साथ तैयार किया गया है। इन कंपोजिट सिलेंडर्स की खासियत है कि ये आम सिलेंडर से ना सिर्फ ज्यादा फीचररिच हैं बल्कि ज्यादा सुरक्षित भी हैं। लोहे वाले सिलेंडर के मुकाबले नई तकनीक पर आधारित कंपोजिट सिलेंडर 50% तक हल्का होता है। इस वजह से इसे महिलाएं या बुजुर्ग भी आसानी से उठा सकते हैं। आम लोहे वाला सिलेंडर 14.2 किलोग्राम का होता है वहीं नए कंपोजिट सिलेंडर 10 किलोग्राम और 5 किलोग्राम जैसे हल्के और सुविधाजनक वेरिएंट्स में आते हैं। हल्के वजन और बेहतर ग्रिप वाले डिजाइन की वजह से इन्हें सीढ़ियों पर ले जाना या घर के अंदर एक जगह से दूसरी जगह खिसकाना काफी आसान होता है।

जहां आम सिलेंडर भारी-भरकम लोहे के बने होते हैं वहीं कंपोजिट सिलेंडर तीन परतों से तैयार होते हैं। इसमें फाइबरग्लास और एडवांस्ड पॉलिमर का इस्तेमाल किया जाता है। इसकी खासियत है कि बॉडी पर कभी जंग नहीं लगता। इससे इन्हें इस्तेमाल करने वाले के फर्श पर कभी दाग भी नहीं पड़ते। कंपोजिस सिलेंडर सिर्फ मटीरियल के मामले में ही नहीं बल्कि लुक में भी काफी मॉडर्न होते हैं। इन्हें अपने मॉड्युलर किचन में भी आप बिना छिपाए इस्तेमाल में ले सकते हैं।? नई तकनीक पर आधारित गैस सिलेंडर का सबसे बड़ा फीचर है कि इसमें आप साफ देख सकते हैं कि सिलेंडर में कितनी गैस है।

ब्लास्ट प्रूफ है नई तकनीक: लोहे के सिलेंडर के मुकाबले कंपोजिट सिलेंडर ज्यादा सुरक्षित भी हैं। आग लगने पर भी ये सिलेंडर बम की तरह नहीं फटते।

इनमें इस्तेमाल होने वाला फाइबर ग्लास स्ट्रक्चर इतना मजबूत होता है कि गिरने या शॉक लगने को आसानी से झेल जाता है। इसके अलावा इस सिलेंडर के वाल्व और सीलिंग मैकेनिज्म को एडवांस सेफ्टी स्टैंडर्ड्स पर डिजाइन किया गया है, जिससे गैस लीकेज की संभावना न के बराबर हो जाती है।

अजब - गजब

बालकनी खोलते ही दिखती है 300 फीट गहरी खाई, फिर भी खुशी-खुशी रहते लोग!

दुनियाभर में कई ऐसी खौफनाक और रोमांचक जगहें मौजूद हैं, जिन्हें पहली बार देखकर यकीन करना मुश्किल हो जाता है। फ्रांस का बोजोल्स भी उन्हीं जगहों में से एक है। यहां का सबसे बड़ा आकर्षण कोई महल या ऐतिहासिक इमारत नहीं, बल्कि एक विशाल प्राकृतिक खाई है, जो किसी मौत के कुएं के समान है। हैरानी की बात यह है कि पूरा शहर इसी खाई के बिल्कुल किनारे बसा हुआ है। दूर से देखने पर ऐसा लगता है जैसे घर किसी भी वक्त नीचे गिर जाएंगे, लेकिन सदियों से लोग यहां सामान्य जिंदगी जी रहे हैं। दक्षिण फ्रांस के अवेयरॉन इलाके में बसे इस छोटे से शहर की आबादी करीब तीन हजार है। शहर के बीचों-बीच मौजूद ' दे बोजोल्स' नाम की प्राकृतिक घाटी इसकी पहचान बन चुकी है। यह करीब 1200 फीट चौड़ी और लगभग 300 फीट गहरी है। ऐसा लगता है कि एक छोटे से हादसे में ही यहां के घर जमींदोज हो सकते हैं। लेकिन ये सालों से जस के तस हैं।

इस जगह को ऊपर से देखने पर इसकी आकृति घोड़े की नाल जैसी दिखाई देती है, इसलिए यह जगह पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। हालांकि, इस घाटी को इंसानों ने नहीं बनाया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक लाखों साल तक दूर्दू नदी लगातार चूना पत्थर की चट्टानों को काटती रही। धीरे-धीरे कटाव बढ़ता गया और इस तरह विशाल खाई तैयार हो गयी। भूवैज्ञानिक मानते हैं कि हिमयुग के दौरान हुए प्राकृतिक बदलावों ने भी इसकी वर्तमान बनावट बनाने में अहम भूमिका निभाई। सिर्फ प्राकृतिक सुंदरता ही नहीं, इतिहास के लिहाज से भी यह शहर काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। गहरी खाई और ऊंची चट्टानों की वजह से यहां तक पहुंचना आसान नहीं था। इसी कारण पुराने समय में लोगों ने इसे सुरक्षित जगह मानकर यहां बस्ती बसाई। बाद में एक किले का भी निर्माण किया गया, जिसके कुछ अवशेष आज भी दिखाई देते हैं।

वहीं, 12वीं सदी का सेंट फॉस्ट चर्च आज भी इस शहर की पहचान बना हुआ है। स्थानीय लोगों के बीच इस जगह को लेकर कई रोचक कहानियां भी सुनाई जाती हैं।

न्यूज विंडो

नगर परिषद औबेदुल्लागंज में एल्डरमैन नियुक्त, 4 समाजसेवियों को मिली जिम्मेदारी

औबेदुल्लागंज। मध्यप्रदेश शासन द्वारा नगर परिषद औबेदुल्लागंज में एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) की नियुक्ति कर दी गई है। जारी सूची के अनुसार आरती यादव, रामकिशोर नंदवंशी, पवनजोत सिंह एवं रामदास शर्मा को नगर परिषद औबेदुल्लागंज का एल्डरमैन मनोनीत किया गया है। नियुक्ति की जानकारी सामने आते ही नगर में समर्थकों एवं शुभचिंतकों के बीच खुशी का माहौल बन गया। सोशल मीडिया पर नवनियुक्त एल्डरमैन को बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया। समर्थकों ने इसे संगठन और सक्रिय कार्यकर्ताओं के प्रति शीर्ष नेतृत्व का विश्वास बताते हुए स्वागत किया। नगर के विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त एल्डरमैन को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे नगर परिषद के विकास कार्यों, जनहित के मुद्दों और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बताया जा रहा है कि प्रदेश स्तर पर जारी सूची में विभिन्न नगर निकायों के लिए एल्डरमैन की नियुक्तियां की गई हैं, जिनमें औबेदुल्लागंज नगर परिषद के लिए भी चार नामों को स्वीकृति प्रदान की गई है। नियुक्ति के बाद स्थानीय स्तर पर राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हो गई हैं।

संस्कृत श्लोक एवं भजन प्रतियोगिता संपन्न, विजेताओं का किया सम्मान

औबेदुल्लागंज। शासकीय सांदीपनि विद्यालय, औबेदुल्लागंज में गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के पंचम दिवस पर सोमवार को संस्कृत श्लोक वाचन एवं भजन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 15 दिवसीय गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सोनपुरे एवं नीलम पटेल रहीं, जबकि अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य चंद्रावती अतुलकर ने की। प्रतियोगिता में केशव यादव एवं अभय ने प्रथम, काजल कहार एवं अंजना यादव ने द्वितीय तथा अंजना, तनवीर एवं उनकी टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के समापन पर मुख्य अतिथियों एवं प्राचार्य ने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को गुरु के प्रति श्रद्धा, अनुशासन एवं भारतीय संस्कृति के आदर्शों का पालन करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

मंगरिया की गौशाला बनी हाईटेक, गायों के लिए पंखे और 24 घंटे CCTV निगरानी

नर्मदापुरम। जिले में निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए ग्राम मंगरिया स्थित गौशाला को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। जिला प्रशासन ने इसे हाईटेक स्वरूप देते हुए गायों की सुरक्षा और बेहतर देखभाल के लिए सीसीटीवी कैमरे, सीलिंग फैन, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा पौष्टिक चारे की सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। बारिश के दौरान सड़कों पर घूम रहे निराश्रित गोवंश को सुरक्षित आश्रय देने के उद्देश्य से कलेक्टर सोमेश मिश्रा और जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन के मार्गदर्शन में 75 एकड़ क्षेत्र में विकसित इस गौशाला को पूरी तरह तार फेंसिंग से सुरक्षित किया गया है। गौशाला में वर्तमान में लगभग 250 गोवंश का पालन-पोषण किया जा रहा है। इनके लिए भूसा, दाना, गुड़, स्वच्छ पेयजल और नियमित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है। वहीं करीब चार एकड़ क्षेत्र में हरे चारे का उत्पादन भी किया जा रहा है, ताकि गोवंश को पौष्टिक आहार मिल सके। बीमार और घायल पशुओं के उपचार की नियमित व्यवस्था की गई है। गौशाला में छह कर्मचारी 24 घंटे गोवंश की देखभाल में तैनात रहते हैं। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए गौशाला में इंटरनेट से जुड़े सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी मदद से सचिव घर बैठे भी गतिविधियों पर नजर रख सकते हैं। इसके अलावा वॉच टॉवर से चौकीदार लगातार निगरानी करता है। गायों को गर्मी और मक्खियों से राहत देने के लिए हर दो गायों पर एक सीलिंग फैन लगाया गया है।

नागरिक सेवा समिति ने बांटी 130 महिलाओं को सिलाई मशीनें

गंजबासौदा। नागरिक सेवा समिति के पितृपुरुष स्वर्गीय विशन जी भाई एवं स्वर्गीय रतनबाई शाह की पुण्यतिथि पर सोमवार को सेवा एवं समर्पण का प्रेरणादायी आयोजन किया गया। समिति द्वारा आर्थिक रूप से जरूरतमंद 130 महिलाओं को सिलाई मशीनें भेंट कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में सहयोग प्रदान किया गया। वहीं शिक्षा सहयोग योजना के तहत नवांकुर विद्यापीठ एवं स्पंदन अकादमी को 50-50 हजार रुपये के चेक भेंट किए गए। कार्यक्रम में पूर्व वित्त मंत्री राघवजी, नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव, जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ. राकेश यादेन, पूर्व विधायक लीना जैन, पूर्व विधायक निशंक जैन, विदिशा नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष ज्योति शाह, जिला जनपद सदस्य गायत्री रघुवंशी, समाजसेवी डॉ. विमल ओसवाल एवं दयावती बेन शाह सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर सिलाई मशीन वितरण में आर्थिक सहयोग देने वाले दमयंती धर्मकांटा सेवार्थ के अध्यक्ष योगेश शाह, राधेश्याम साहू, चेतन साहू एवं नवांकुर परिवार का शाल एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में 43 वर्षों तक उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले नवांकुर विद्यापीठ के पूर्व प्राचार्य शैलेंद्र दीक्षित का भी अभिनंदन किया गया।

मंडीदीप में मेले की प्रशासन ने नहीं दी इजाजत, फिर भी तान दिया लाखों का सेटअप

बिना परमिशन मिले ही लगा दिए झूले अब कर रहे हैं उद्घाटन का इंतजार

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार के निर्देश अनुसार बिना परमिशन के मेले का आयोजन नहीं किया जा सकता, परंतु राजधानी के समीप औद्योगिक शहर मंडीदीप में दलालों के संरक्षण में प्रशासन को भी ताव पर रख दिया है और बिना परमिशन इतने बड़े आयोजन कर रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के वार्ड नंबर एक में मेले एवं मनोरंजन का आयोजन बिना किसी परमिशन के संचालित हो रहा है, जिसमें न तो नगर पालिका के द्वारा कोई अनुमति प्रदान है और न ही एसडीएम कार्यालय से कोई परमिशन है। जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक एक में एक निजी भूमि पर मेले का संचालन किया जा रहा है जिसमें बड़े झूले, मनोरंजन से जुड़े हुए कई प्रकार के सामग्री का उपयोग किया जा रहा है और तो और नपा के द्वारा बिना परमिशन के इस आयोजन में अगर कोई बड़ा हादसा घटित होता है तो उसके जिम्मेदार कौन होगा ये एक बड़ा सवाल सामने है। ऐसा ही आयोजन गर्मी में मार्च के महीने में आयोजित हुआ था जिसमें बच्चों के परीक्षा चल रही थी तब भी प्रशासन ने इस मेले के अनुमति को निरस्त कर दिया था। जानकारी के अनुसार मेले का संचालक कई बार नगर के नेताओं के और कुछ दलालों के फेर मैं आकर इतना बड़ा जोखिम उठाता है उसके बाद भी मेले का संचालन पूरा न हो पाना समझ के परे है।

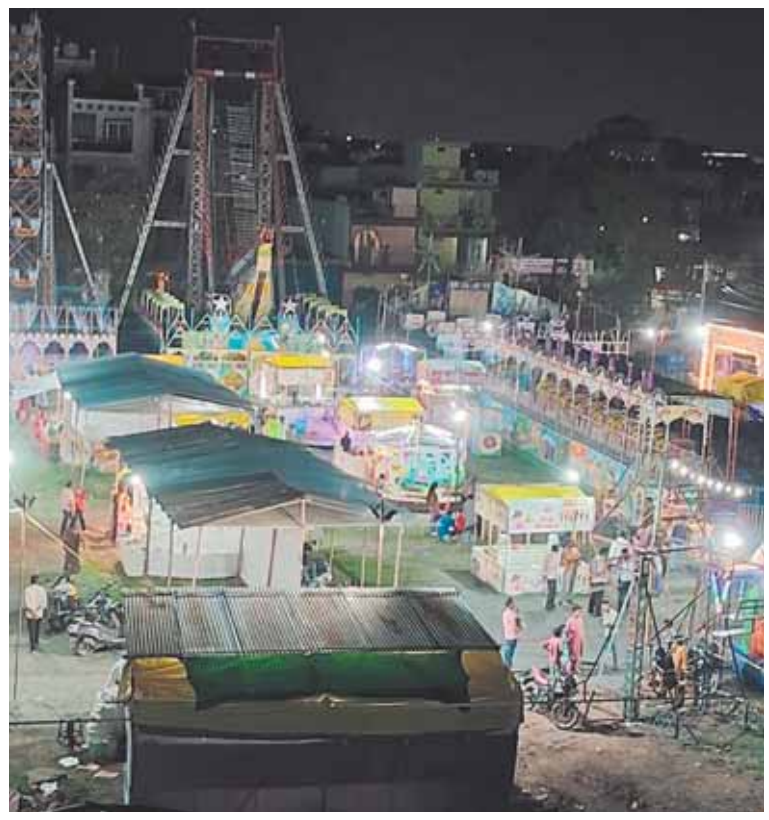

पहले हो चुके हैं हादसे

मंडीदीप नगर पालिका में मेला संचालित पहले भी हुए जिसमें कई हादसे हुए एवं लड़ाई झगड़े के मामले भी थाने तक पहुंच चुके हैं यही नहीं मंडीदीप में मेला आयोजन क्षेत्र में कई असामाजिक तत्व के लोग मेले में महिलाओं पर छींटा कसी तक कस चुके है।

नहीं है पार्किंग

मेला स्थल में पार्किंग की जगह न होने से मेला क्षेत्र में ट्रैफिक यातायात की भी परेशानी देखी जाती है जिसी लोगों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सीएमओ सुधीर उपाध्याय ने बताया कि मंडीदीप नगर पालिका से एसडीएम ने परमिशन को लेकर अनुमोदन मांगा था जिसे हमारे द्वारा भेज दिया गया है परंतु परमिशन मिली या नहीं ये मुझे ज्ञात नहीं है। गौहरगंज एसडीएम चंद्र शेखर श्रीवास्तव ने बताया कि मंडीदीप मे आयोजित हो रहे मेले की परमिशन हमारे द्वारा प्रदान नहीं की गई है। मेले का संचालन अवैध है।

कलेक्टर ने सौंपा नियुक्ति आदेश

अनुकंपा नियुक्ति से आर्या दुबे को मिली सरकारी नौकरी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

अनुकंपा नियुक्ति के तहत गंजबासौदा निवासी आर्या दुबे को महिला एवं बाल विकास विभाग में सहायक ग्रेड-3 (डाटा एंट्री ऑपरेटर) के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने नियुक्ति आदेश सौंपते हुए आर्या दुबे को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। नियुक्ति आदेश मिलने के बाद आर्या एवं उनके परिजनों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। जानकारी के अनुसार, आर्या दुबे के पिता स्वर्गीय बालकृष्ण दुबे प्राथमिक शाला ग्राम पचमा, विकासखंड गंजबासौदा में सहायक शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। उनके निधन के बाद शासन के नियमानुसार अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। स्वर्गीय बालकृष्ण दुबे की चार पुत्रियां हैं। उनकी पत्नी ज्योति दुबे ने लिखित सहमति देकर आर्या दुबे के पक्ष में अनुकंपा नियुक्ति के लिए सहमति प्रदान की। दस्तावेज एवं औपचारिकताएं पूर्ण होने के बाद कलेक्टर अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता कांसवा तथा स्थापना शाखा द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला एवं बाल विकास परियोजना बासौदा-2, जिला विदिशा में रिक्त सहायक ग्रेड-3 (डाटा एंट्री ऑपरेटर) के पद पर आर्या दुबे की नियुक्ति की गई। इस अवसर पर कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आर्या दुबे को शुभकामनाएं देते हुए निर्धारित समय-सीमा में लिपिक वर्ग की आवश्यक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने के निर्देश दिए।

धर्म, संयम एवं आत्मकल्याण के मार्ग पर हमें हमेशा चलना चाहिए : संभवसागर महाराज

परम पूज्य निर्यापक मुनि 108 संभवसागर महाराज ससंघ की मंडीदीप में अगवानी

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

शहर में परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य एवं आचार्य 108 समयसागर महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य, परम पूज्य निर्यापक मुनि 108 संभवसागर महाराज ससंघ का मंडीदीप आगमन पर श्रद्धालुओं द्वारा भव्य एवं भावपूर्ण स्वागत किया गया।

प्रथम ढाबा से मुनि की मंगल अगवानी प्रारंभ हुई। इसके पश्चात मंगल विहार के साथ श्रद्धालु जयघोष करते हुए पटेल नगर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर पहुंचे। समिति के

अध्यक्ष विनोद जैन ने बताया कि मंदिर में विराजमान होकर मुनिश्री ने गुरु भक्ति एवं आचार्य भक्ति का पावन संदेश प्रदान किया तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को धर्म, संयम एवं आत्मकल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ विजय पहाड़िया, श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष अरविंद जैन, श्री नेमीनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष विमल जैन, श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति के अध्यक्ष अर्पित जैन, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पूर्णिमा जैन, दिलीप पहाड़िया, अशोक जैन, नरेंद्र जैन,सौरभ जैन, अंकित जैन, रोहित जैन, अंशुल जैन,सत्येंद्र जैन, सहित अब्दुल्लागंज जैन समाज से राजीव जैन, एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

पंचायत सचिव की मौत की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पंचायत सचिव, रोजगार सहायक संगठन एवं सरपंच संगठन द्वारा मुख्यमंत्री के नाम स्थानीय प्रशासन माध्यम से ज्ञापन सौंपकर ग्राम पंचायत घोसरा, जनपद पंचायत नटेरन के पंचायत सचिव स्वर्गीय रामसिंह विश्वकर्मा की सड़क दुर्घटना में हुई मृत्यु की उच्चस्तरीय, निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कराने तथा दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि जिले में सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के शीघ्र निराकरण और बेहतर रैंकिंग बनाए रखने के उद्देश्य से पंचायत सचिवों एवं रोजगार सहायकों पर अत्यधिक प्रशासनिक दबाव बनाया जा रहा है। आरोप है कि कर्मचारियों को देर रात तक शिकायतों के निराकरण के लिए गांव-गांव भेजा जाता है, जिससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। संगठन के अनुसार 18 जुलाई की रात पंचायत

सचिव स्व. रामसिंह विश्वकर्मा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायत के निराकरण के लिए शिकायतकर्ता के गांव गए थे। शिकायत का निराकरण कर लौटते समय सड़क दुर्घटना में उनका दुखद निधन हो गया। इस घटना से पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक संवर्ग में गहरा आक्रोश और शोक व्याप्त है। ज्ञापन में कहा गया है कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज कई शिकायतें पंचायत सचिवों के अधिकार क्षेत्र से बाहर होती हैं, जैसे वृद्धावस्था पेंशन की स्वीकृति, प्रधानमंत्री आवास योजना की किश्त जारी होना तथा अन्य शासन स्तर के निर्णय। इसके बावजूद कर्मचारियों पर शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण का दबाव बनाया जाता है, जो अनुचित और अमानवीय है। संगठन ने मांग की है कि पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि जांच में किसी अधिकारी द्वारा अनावश्यक प्रशासनिक दबाव, लापरवाही अथवा नियमों के विपरीत कार्य करने की पुष्टि होती है तो उनके विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में यह भी मांग की गई है कि सीएम हेल्पलाइन के नाम पर कर्मचारियों पर बनाए जा रहे अनावश्यक दबाव पर तत्काल रोक लगाई जाए, भविष्य में रात्रिकाल अथवा अवकाश के दिनों में शिकायतों के निराकरण के लिए दबावपूर्वक भेजने की व्यवस्था समाप्त की जाए।

एक साथ उठीं पति- पत्नी और बेटे की अर्थी बेटे को मां की गोद में रखा, आखें हुई नम

गुना। दोपहर मेट्रो

एबी रोड पर भदौरा के पास बीते दिन हुए भीषण सड़क हादसे में शहर से सटे पिपरौदाखुर्द गांव का एक परिवार उजाड़ दिया। गत दिवस गांव से एक साथ तीन अर्थियां निकलीं तो हर आंख नम हो गई। पति- पत्नी और बेटे का एक ही चिता पर अंमित संस्कार किया गया। इसमें सबसे खास बात यह रही कि, मालती की गोद में उसके बेटे कार्तिक को लिटाकर अंतिम संस्कार किया।

पूरे गांव में शोक की वजह से रविवार शाम से चूल्हे तक नहीं जले और न ही लोगों ने अन्न ग्रहण किया। इस हादसे में पिपैरादा खुर्द के मनोज पुत्र खेमचंद कुशवाह 34 साल व उनकी पत्नी मालती 30 साल व 7 साल के बेटे कार्तिक की मौके पर ही मौत हो गई थी। बीते दिन जिला अस्पताल में हुए तीनों के शवों के पोस्टमार्टम के बाद करीब 11 बजे तीनों के शव गांव पहुंचे। इसके बाद ग्रामीणों व रिश्तेदारों ने मिलकर एक ही चिता पर अंतिम संस्कार करने का फैसला लिया। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे तीनों की अंतिम यात्रा एक साथ निकली।

तीन अर्थियों को एक साथ निकलता देख पूरा पिपरौदाखुर्द गांव शोक में डूब गया। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में ग्रामीण, समाज के लोग और रिश्तेदार पहुंचे। यात्रा में शामिल कई लोगों की आंखें नम थीं। गांव में रविवार शाम से न तो चूल्हे जले हैं और न ही किसी ने भी अन्न ग्रहण किया है। मनोज की मां लक्ष्मीबाई का हादसे के बाद से लगातार रोने से बार- बार बेहोश हो रही है। मनोज के पिता पैरों से दिव्यांग के साथ ही पैरालिसिस की बीमारी से ग्रस्त है। ऐसे में न तो वे खुद के बल पर पलंग से उठ पाते हैं और न ही चल फिर पाते हैं। बता दें कि रविवार शाम को बाइक पर सवार पति-पत्नी और बेटे की हादसे में मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार परिवार को पीछे से आ रही तेज रफ्तार अर्टिगा कार ने टक्कर मारी। मृतक गुना की तरफ लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। कुछ ही देर में परिजन भी अस्पताल पहुंचे, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है।

मेट्रो एंकर कलेक्टर ने की महिला बंदियों के स्व-सहायता समूह और कौशल विकास कार्यों की सराहना

केंद्रीय जेल में तैयार होंगे अधिक सीड बॉल, पर्यावरण संरक्षण पर दिया जोर

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने केंद्रीय जेल नर्मदापुरम खंड-(अ) का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक वनीकरण को बढ़ावा देने के लिए जेल प्रशासन को अधिक से अधिक सीड बॉल तैयार कर उनका व्यापक स्तर पर प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने जेल परिसर में आंवले का पौधा लगाकर हरियाली बढ़ाने का संदेश भी दिया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जेल की विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने महिला बंदियों द्वारा संचालित स्व-सहायता समूह के कार्यों और उनके द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों का अवलोकन किया तथा उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बंदियों के पुनर्वास, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कलेक्टर मिश्रा ने जेल में बंदियों को दिए जा रहे कौशल विकास प्रशिक्षण की जानकारी भी ली। उन्होंने महिला बंदियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाया जाए तथा बंदियों को रोजगारपरक गतिविधियों से जोड़ा जाए। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक संतोष सोलंकी, उप जेल अधीक्षक प्रहलाद सिंह वरकड़े, सहायक जेल अधीक्षक संतोष हरियाल, ऋतुराज सिंह दांगी, अर्पित चौधरी सहित जेल का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

न्यूज विंडो

अमृता कोचिंग सेंटर के 10 वर्ष पूरे होने पर किया मेधावी छात्रों का सम्मान

नरसिंहपुर। जरजोला रोड़ पर स्थित अमृता कोचिग सेन्टर में मेधावी छात्रों के जीवन पर प्रकाश डालकर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नीना बुधौलिया रही एवम विशिष्ट अतिथि विभा दुबे, अंजू साहू एवम अनुराधा नामदेव रहीं। कार्यक्रम में अमृता द्वारा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य एवम बच्चे को प्रोत्साहित करने हेतु शील्ड एवम मैडल देकर सम्मानित किया गया। संस्था में सुविधाएं देकर बच्चों को सामान्य शुल्क एवम प्रतियोगिता द्वारा निशुल्क अध्ययन कराया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च अध्ययन एवं हाई परसेंटेज हेतु मोटिवेट करना था।कार्यक्रम में मुख्य रूप से सी बी एस सीके रुद्र लोधी,मान्या साहू, हुदा शिराजी, प्रिंस मेहरा,आराध्या श्रीवास्तव एवम मध्यप्रदेश बोर्ड के आदर्श उमरे, प्रवीण मेहरा ,अमित प्रजापती, एकांश लोधी,महिमा साहू, सिद्धि विश्वकर्मा को सम्मानित किया गया। दीपाली साहू एवम निकिता पटेल, अमृता श्रीवास्तव को इस काम में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरणा एवं प्रोत्साहन श्रीजी संस्थान के द्वारा किया गया। मैडम को कोचिंग के संचालन में विशेष सहयोग हेतु कार्यक्रम के माध्यम से श्रीवास्तव द्वारा धन्यवाद दिया गया।

पति के अवैध संबंध और वीडियो वायरल होने से तंग आकर महिला ने लगाई फांसी

धार। कुक्षी थाना क्षेत्र के ग्राम गिरवान्या सायरीपुरा में एक विवाहिता द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में पुलिस ने मर्ग जांच के बाद आरोपी पति के खिलाफ ही मामला दर्ज कर लिया है। मृतिका के पति मुकेश पिता वेस्तरिया उर्फ वेस्ता अलावा निवासी गिरवान्या सायरीपुरा के किसी अन्य महिला भांजा बहू के साथ अवैध संबंध थे। इसी बात को लेकर आरोपी पति आए दिन मृतिका के साथ मारपीट करता था और उसे घर से निकाल देता था। पूर्व में भी विवाद के चलते महिला बिना बताए घर से चली गई थी। घटना से दो-तीन दिन पूर्व मृतिका के मायके में शादी थी, जहां मृतिका और उसका पति मुकेश दोनों गए थे। शादी के दौरान पति का संबंधित महिला के साथ गले में हाथ डालकर नाचने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जब मृतिका ने यह वीडियो देखा, तो वह अत्यधिक मानसिक तनाव में आ गई। इसी बात से दुखी होकर महिला ने अपने ससुराल ग्राम गिरवान्या सायरीपुरा स्थित घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने मामले में मृतिका के पति आरोपी मुकेश के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का प्रकरण दर्ज किया है।

तेंदूखेड़ा बस स्टैंड के पास ऑटो चालक की सीने में दर्द से मौत

तेंदूखेड़ा। बस स्टैंड के पास बीते दिन एक ऑटो चालक को सीने में दर्द हुआ, आनन फानन में उसे स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। जहां आक्सीजन लगाया गया, लेकिन उसकी हृदय गति रुकने से मौत हो गई। परिजनों और स्थानीय लोगों में घटना को लेकर शोक है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान कैलाश कोल पिता सुनमुन उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम कंतोरा, तहसील पाटन, जिला जबलपुर के रूप में हुई है। कैलाश पेशे से ऑटो चालक था। कैलाश अपना ऑटो लेकर वह ग्राम रोंझा (कँतोरा)से सवारी लेकर ग्राम देवरी निजाम तेंदूखेड़ा छोड़ने जा रहा था। इसके पहले नगर के बस स्टैंड के पास स्थित होटल पर चाय पीने होटल के सामने रुकने वाला ही था इसी दौरान उसे अचानक सीने में तेज दर्द और पसीना आने लगा। दर्द बढ़ता देख सूझबूझ दिखाते हुए कैलाश ने ऑटो को सड़क किनारे खड़ा कर दिया। इसी बीच आसपास के लोगों और सवारियों ने उसे तुरंत उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसे ऑक्सीजन लगाकर बचाने का प्रयास किया, लेकिन कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। ऑटो चालक की मौत की खबर से बस स्टैंड और ऑटो यूनियन में शोक की लहर है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कैलाश घर का इकलौता कमाने वाला था। सूचना मिलने पर थाना तेंदूखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। मामला दर्ज किया मुख्य खंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक बरौनिया ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मौत का कारण साइलेंट अटैक यानी हृदयाघात होना प्रतीत हो रहा है। घर वालों ने पोस्टमार्टम नहीं कराया और वह शव लेकर चले गए।

अंजली चौहान ने IISc बेंगलुरु से एमटेक कर बढ़ाया सागर का गौरव

सागर। अंजली चौहान ने देश के अग्रणी एवं प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में से एक भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु से एमटेक की उपाधि सफलतापूर्वक प्राप्त कर परिवार, सागर जिले और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। अंजली सागर पुलिस कंट्रोल रूम के प्रभारी उप निरीक्षक आरकेएस चौहान की बेटी है. अंजली चौहान ने अपनी प्रतिभा का परिचय बीटेक के अंतिम वर्ष में ही दिया था, जब उन्होंने GATE (Graduate Aptitude Test in Engineering) परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक (AIR)-13 प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय सफलता अर्जित की। इस उपलब्धि के आधार पर वर्ष 2023 में बीटेक पूर्ण होने के साथ ही उन्हें भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc), बेंगलुरु में एम.टेक. में प्रवेश प्राप्त हुआ। कठिन परिश्रम, अनुशासन एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के बल पर उन्होंने एम.टेक. की पढ़ाई सफलतापूर्वक पूर्ण की तथा डिग्री प्राप्त करने के साथ ही एक प्रतिष्ठित कंपनी में आकर्षक पैकेज पर चयनित होकर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम की. उल्लेखनीय है कि आरकेएस चौहान के पुत्र वर्ष 2019 से भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC) में वैज्ञानिक (Scientist) के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस प्रकार चौहान परिवार ने शिक्षा, प्रतिभा, अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है।अंजली चौहान की इस उपलब्धि पर पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, सहकर्मियों, मित्रों, शुभचिंतकों एवं समाज के विभिन्न वर्गों ने आरकेएस चौहान एवं उनके परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए अंजली के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उनके उज्ज्वल करियर के लिए शुभाशीष प्रदान किया।

बारिश की सौगातः टाइगर रिजर्व के जंगलों में निकला बहुमूल्य जंगली मशरूम

अनमोल उपहार... नौरादेही अभयारण्य के जंगल में जंगली मशरूम की बहार

विशाल रजक । दोपहर मेट्रो

तेंदूखेड़ा। प्रकृति मानव जीवन के लिए अनमोल उपहारों का अथाह भंडार है। आवश्यकता केवल इन प्राकृतिक संसाधनों को पहचानने, संरक्षित करने और संतुलित रूप से उपयोग करने की है। रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के अंतर्गत अभयारण्य की सर्रा रेंज के जंगल इन दिनों प्राकृतिक रूप से उगने वाले जंगली मशरूम की भरपूर उपलब्धता के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

वर्षा ऋतु की शुरुआत के साथ लगभग एक माह तक जंगलों में जंगली मशरूम प्रचुर मात्रा में निकलते हैं। स्थानीय जानकारों के अनुसार यह विशेष रूप से उन स्थानों पर पाया जाता है, जहां सांप की बामियों (बिलों) के आसपास दीमक के जीवित टीले एवं पर्याप्त नमी मौजूद होती है। ऐसे नम वातावरण में मशरूम तेजी से विकसित होता है और अच्छी गुणवत्ता का मिलता है। अच्छी वर्षा तथा रात्रि में बादलों की गड़गड़ाहट के बाद अगले दिन सुबह इसके मिलने की संभावना सबसे अधिक रहती है। जंगली मशरूम स्वादिष्ट होने के साथ-साथ अत्यंत पौष्टिक भी होता है। इसमें प्रोटीन, फाइबर, विटामिन एवं अनेक आवश्यक खनिज तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यही कारण है कि इसे सब्जियों का मांस भी कहा जाता है। ग्रामीण एवं वनवासी समुदाय वर्षों से इसे प्राकृतिक और पौष्टिक खाद्य पदार्थ के रूप में उपयोग करते आ रहे हैं।

जंगली मशरूम आर्थिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण

स्थानीय मानसीग यादव के अनुसार जंगली मशरूम को सुबह लगभग 8 बजे से पहले ही एकत्र कर लेना चाहिए। इसके बाद इसे अच्छी तरह साफ कर उबालकर या हल्का तलकर सुरक्षित रखा जा सकता है। यदि समय पर इसका उपयोग न किया जाए तो कुछ ही घंटों में यह फूलकर अपनी गुणवत्ता खो देता है और खाने योग्य नहीं रहता। जंगल से उखाड़कर रखने पर भी इसका आकार बढ़ने लगता है, इसलिए समय पर इसका संरक्षण आवश्यक होता है। पोषण के साथ-साथ जंगली मशरूम आर्थिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण है। वर्तमान में स्थानीय बाजारों में इसकी कीमत लगभग 700 से 800 रुपये प्रति किलोग्राम तक मिलती है। सीमित समय के लिए उपलब्ध होने और स्वाद एवं गुणवत्ता के कारण इसकी मांग काफी अधिक रहती है। इससे ग्रामीणों को अतिरिक्त आय अर्जित करने का भी अवसर मिलता है। विशेषज्ञों का कहना है कि जंगली मशरूम का संग्रह एवं सेवन पूरी सावधानी के साथ ही किया जाना चाहिए। केवल पहचान वाले एवं सुरक्षित मशरूम का ही उपयोग करें, क्योंकि सभी जंगली मशरूम खाने योग्य नहीं होते। साथ ही, जंगल की जैव विविधता और प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने के लिए सीमित एवं जिम्मेदारीपूर्ण संग्रह करना आवश्यक है।

नोएडा की कंपनी ने धार के युवक को झांसा देकर की लाखों की ठगी

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के थाना नालछा अंतर्गत ग्राम आली निवासी झुलेलाल पिता मिलिन्द मण्डवाल के साथ नोएडा की एक कंपनी द्वारा सुपर स्टोकिस्ट व डिस्ट्रीब्यूटरशिप के नाम पर 1 लाख 49 हजार रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर नालछा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित झुलेलाल मण्डवाल ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि 13 सितंबर 2025 को वे अपने साथी ग्रवित कुशवाह के साथ बिजनेस प्लान के सिलसिले में जियो इंडिया सेल्स एंड मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड सेक्टर 63 एवं 65, नोएडा के ऑफिस में गए थे। वहां कंपनी के अधिकारी प्रियांश, शुभम और मैनेजर श्यामसिंह ने नेक इंसान नाम से सेफ्टी क्यूआर कोड स्टीकर का काम करने की बात कही। कंपनी ने दावा किया कि 50 हजार रुपये में 5 जिलों धार, खरगोन, देवास, उज्जैन, रतलाम की डिस्ट्रीब्युटर पॉलिसी दी जाएगी। पीड़ित ने विश्वास में आकर 14 और 17 अक्टूबर को यूपीआई के जरिए कुल 50 हजार रुपये जमा करवा दिए। हालांकि, कंपनी ने वादे के अनुसार 5 जिलों की जगह सिर्फ एक जिले की पॉलिसी व्हाट्सएप पर भेजी और माल भेजने में भी टालमटोल किया। इसके बाद आरोपियों ने झुलेलाल को इंदौर संभाग का सुपर स्टोकिस्ट बनाने का लालच दिया। पीड़ित ने झांसे में आकर इंदौर में ऑफिस खोला और मार्केटिंग शुरू की। इसके एवज में 7 और 10 नवंबर को 99 हजार रुपये और जमा करवा लिए। जब पीड़ित ने कोर्ट एग्रीमेंट और माल वापसी के बाद रुपये लौटाने की मांग की, तो आरोपियों ने फोन उठाना बंद कर दिया।

महिला से दुष्कर्म, तांत्रिक समेत 4 पर एफआईआर दर्ज

धार। दोपहर मेट्रो

कुक्षी में बवासीर की बीमारी ठीक करने के नाम पर तांत्रिक क्रिया का ढोंग रचाकर एक महिला से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। तांत्रिक ने पीड़ित महिला को डरा-धमकाकर दुष्कर्म किया और वारदात में उसका साथ देने वाले बिचौलियों ने पीड़िता को मुंह बंद रखने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मुख्य आरोपी तांत्रिक सहित चार लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार पीड़िता को उसका समधी रेवसिंह और सतीपुरा निवासी राकेश मोटरसाइकिल पर बैठाकर मनावर बस स्टैंड लेकर आए। दोनों ने महिला को झांसा दिया कि पिपलिया गांव में धन्नालाल के घर तांत्रिक कैलाश तांत्रिक क्रिया के जरिए बवासीर का पक्का इलाज

करता है। इसके बाद दोनों महिला को धन्नालाल के घर ले गए। धन्नालाल के मकान की ऊपरी मंजिल के तीसरे कमरे में तांत्रिक कैलाश पहले से मौजूद था। आरोपी राकेश, रेवसिंह और धन्नालाल दोपहर करीब 1 बजे महिला को कमरे में छोड़ बाहर निकल गए और दरवाजा बंद कर दिया। कमरे में महिला को अकेली पाकर तांत्रिक कैलाश ने कहा कि आंखें बंद करके चुपचाप बैठी रहो, मैं जो करूं करने देना, वरना तांत्रिक क्रिया उल्टी पड़ जाएगी। इसके बाद तांत्रिक ने महिला की लाचारी का फायदा उठाते हुए उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के बाद जब बदहवास पीड़िता ने कमरे से बाहर आकर रेवसिंह, राकेश और धन्नालाल को आपबीती सुनाई, तो मदद करने के बजाय तीनों आरोपी भी महिला को डराने लगे,आरोपियों ने पीड़िता को धमकाते हुए कहा कि यह बात किसी को बताई तो तांत्रिक क्रिया करवाकर तुझे और तेरे पति को जान से खत्म करवा देंगे, जिसके बाद पीड़िता पुलिस थाने पहुंची और आरोपियों के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज कराई।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत विद्यार्थियों को किया जागरूक

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकेंडरी विद्यालय में पुलिस विभाग द्वारा संचालित नशा से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उन्हें स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर एसडीओपी अर्चना अहीर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और भविष्य तीनों को प्रभावित करता है। युवा यदि आज नशे से दूरी बनाए रखेंगे, तो वे अपने जीवन में सफलता के नए आयाम स्थापित कर सकेंगे। प्रत्येक विद्यार्थी स्वयं जागरूक बने और अपने परिवार तथा समाज को भी नशा मुक्त बनाने का संकल्प ले। वहीं नगर निरीक्षक सरोज सिंह ठाकुर ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की समस्या है।

पुलिस का उद्देश्य केवल कानून का पालन कराना नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करना भी है। विद्यार्थी किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें और यदि आसपास ऐसी गतिविधियां दिखाई दें तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। कार्यक्रम में प्रधान आरक्षक बृजेश तिवारी, आरक्षक रौनक सहित प्राचार्य रघुराज सिह, शिक्षक एस के सरैया परसोत्तम सिंह लोधी एवं समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन भरत यादव शिक्षक द्वारा किया गया।

मादा तेंदुआ तीन शावकों के साथ कैमरे में कैद वन विभाग ने कहा-घबराएं नहीं, सतर्क रहें

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

उप वनमंडल के अंतर्गत आने वाले तारादेही वन परिक्षेत्र की दरौली बीट के प्लांटेशन में एवं उसके आसपास एक मादा तेंदुआ अपने तीन शावकों के साथ ट्रैक कैमरे में कैद हुई है। कैमरे में चारों को वन क्षेत्र में स्वाभाविक रूप से विचरण करते हुए देखा गया है। इस घटना के बाद वन विभाग ने आसपास के ग्रामीणों एवं वन क्षेत्र से गुजरने वाले लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है। वन विभाग के अनुसार दरौली प्लांटेशन एवं आसपास का क्षेत्र वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास एवं विचरण क्षेत्र है। यहां तेंदुए की मौजूदगी कोई नई बात नहीं है। पूर्व में भी इस वन परिक्षेत्र में कई बार तेंदुए के दिखाई देने की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें एक अवसर पर तेंदुआ पेड़ पर बैठा हुआ भी देखा गया था। ऐसे में वन विभाग का कहना है कि यह वन्यजीवों का स्वाभाविक रहवास क्षेत्र है और लोगों को हमेशा सावधानी बरतनी चाहिए। ट्रैक कैमरे में मादा तेंदुआ अपने तीन शावकों के साथ स्वस्थ एवं सामान्य स्थिति में दिखाई दी है। वन विभाग लगातार कैमरों एवं गश्ती दलों के माध्यम से क्षेत्र की निगरानी कर रहा है, ताकि वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके और किसी भी संभावित स्थिति में समय पर आवश्यक कदम उठाए जा सकें। तेंदुए की मौजूदगी की जानकारी सामने आने के बाद आसपास के ग्रामीणों में कुछ हद तक दहशत का माहौल है। विशेष रूप से वन मार्गों से आवागमन करने वाले दोपहिया वाहन चालकों में चिंता देखी जा रही है। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि घबराने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि सतर्कता और सावधानी ही सबसे बड़ा बचाव है। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वन क्षेत्र से गुजरते समय सजग रहें, अकेले सुनसान मार्गों पर अनावश्यक रूप से न रुकें

मेट्रो एंकर

उजाले के मुसाहिब का हुआ सफल मंचन, 25 दिवसीय नाट्य कार्यशाला का समापन

विजयदान देथा की कहानी पर आधारित नाटक की दी प्रस्तुति

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय (संस्कृति संचालनालय, मध्य प्रदेश शासन, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर से संबद्ध) एवं रंगसरोकार नाट्य समिति, एवं mimt कॉलेज,नरसिंहपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 25 दिवसीय नाट्य कार्यशाला का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यशाला का समापन प्रशिक्षु कलाकारों द्वारा सुप्रसिद्ध साहित्यकार विजयदान देथा की कहानी पर आधारित नाट्य प्रस्तुति उजाले के मुसाहिब के प्रभावशाली मंचन के साथ किया गया। नाटक का निर्देशन वरुण शर्मा (मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय) ने किया।

25 दिनों तक चले इस प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों को अभिनय, वाचिक एवं आंगिक अभिव्यक्ति, स्वर एवं शारीरिक प्रशिक्षण, मंच अनुशासन, चरित्र निर्माण, समूह समन्वय, रंग-अभ्यास तथा नाट्य प्रस्तुति की व्यावहारिक विधियों का गहन प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने नियमित अभ्यास कर

रंगमंच की विभिन्न विधाओं का अनुभव प्राप्त किया।

समापन अवसर पर प्रस्तुत नाटक उजाले के मुसाहिब ने अपनी सशक्त प्रस्तुति, प्रभावी अभिनय, प्रकाश योजना, संगीत तथा मंच संयोजन से दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। प्रस्तुति के उपरांत दर्शकों ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी मुक्तकंठ से सराहना की। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ रंगकर्मियों, साहित्यकारों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, कला प्रेमियों एवं, बड़ी संख्या में नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। विशेष रूप से जबलपुर से विवेचना रंग मंडल के आए रंग साथी भी उपस्थित रहे। अतिथियों ने कहा कि इस प्रकार की नाट्य कार्यशालाएं युवाओं के व्यक्तित्व विकास, रचनात्मक सोच, सांस्कृतिक चेतना तथा सामाजिक संवेदनशीलता को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आयोजकों ने कार्यशाला की सफलता का श्रेय मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय के मार्गदर्शन, विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के समर्पित सहयोग, स्थानीय प्रशासन, सहयोगी संस्थाओं, मीडिया प्रतिनिधियों तथा सभी प्रत्यक्ष एवं परोक्ष सहयोगियों को देते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी ऐसे रचनात्मक आयोजन निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे प्रदेश में रंगमंच की समृद्ध परंपरा को नई ऊर्जा और दिशा मिल सके। उक्त जानकारी संस्था के पुनीत त्रिवेदी ने दी

टीम इंडिया की लगातार नाकामी ने खोली तैयारियों की पोल

आयरलैंड से इंग्लैंड तक हार ही हार, फिर भी बीसीसीआई कह रहा ऑल इज वेल

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज गंवाने के बाद भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड भले ही हालात को सामान्य बताने की कोशिश कर रहा हो, लेकिन टीम इंडिया का हालिया प्रदर्शन कई गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 जीतने के बाद से भारतीय टीम लगातार लड़खड़ाती नजर आई है। पहले आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में 0-2 से क्लीन स्वीप झेलना पड़ा, फिर इंग्लैंड ने टी20 और वनडे दोनों सीरीज में भारत को मात देकर टीम की कमजोरियों को उजागर कर दिया।

लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे में 27 रन से हार के बाद BCCI उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने टीम का बचाव किया। उनका कहना था कि मुकाबला बेहद संघर्षपूर्ण रहा और इंग्लैंड के आखिरी तीन ओवरों में बने 60 रन मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुए। राजीव शुक्ला ने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए साबित किया कि उनमें अभी भी काफी क्रिकेट बाकी है। उन्होंने शुभमन गिल की भी तारीफ की और दावा किया कि टीम का कॉम्बिनेशन सही है तथा घबराने जैसी कोई बात नहीं है। हालांकि बोर्ड का यह बयान जितना सकारात्मक दिखता है, मैदान पर तस्वीर उतनी ही चिंताजनक है। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत लगातार तीन वनडे सीरीज हार चुका है। पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार मिली, फिर न्यूजीलैंड ने भारत को उसके घर में सीरीज हराई और अब इंग्लैंड ने भी द्विपक्षीय वनडे सीरीज जीत ली। एक समय था जब भारत की वनडे सीरीज में हार बड़ी खबर मानी जाती थी, लेकिन अब लगातार मिल रही असफलताएं टीम की गिरती लय और रणनीतिक कमजोरियों की ओर इशारा कर रही हैं।

तीन वनडे सीरीज हारकर सवालों के घेरे में कप्तानी

बुमराह की कमी ने उजागर की तेज गेंदबाजी की कमजोरी

इंग्लैंड दौरे की सबसे बड़ी चिंता भारतीय तेज गेंदबाजी रही। जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में भारतीय आक्रमण पूरी तरह बेअसर दिखाई दिया। लॉर्ड्स में इंग्लैंड ने 387 रन बनाकर मैदान का सबसे बड़ा वनडे स्कोर खड़ा कर दिया। पूरी सीरीज में कोई भी भारतीय तेज गेंदबाज नियमित अंतराल पर विकेट निकालने या विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में सफल नहीं रहा। इससे साफ हो गया कि बुमराह के विकल्प तैयार करने में टीम मैनेजमेंट अब तक सफल नहीं हो पाया है।

टीम कॉम्बिनेशन के नाम पर बढ़ते प्रयोग

टीम मैनेजमेंट लगातार अतिरिक्त बल्लेबाज या ऑलराउंडर के साथ उतरने की रणनीति अपना रहा है। इसके कारण कुलदीप यादव जैसे अनुभवी और मैच जिताने वाले स्पिनर को लगातार बाहर बैठना पड़ा। मिडिल ओवरों में विकेट निकालने की क्षमता रखने वाले कुलदीप की अनदेखी पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। भारत आठ बल्लेबाजों के साथ मैदान में उतर रहा है, लेकिन इस रणनीति का भी अपेक्षित फायदा नहीं मिला। दूसरे वनडे में टीम 233 रन पर सिमट गई, जबकि तीसरे मुकाबले में 388 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बल्लेबाजी दबाव में बिखर गई।

चोटों और खराब फैसलों ने बढ़ाई गंभीर की मुश्किलें

यूरोप दौरे के दौरान भारतीय टीम चोटों से भी परेशान रही। जसप्रीत बुमराह, वॉशिंगटन सुंदर समेत कई खिलाड़ी फिटनेस समस्याओं से जूझते रहे, जिससे टीम संयोजन बार-बार बदलना पड़ा। लगातार हार, रणनीतिक फैसलों पर उठ रहे सवाल और खिलाड़ियों की फिटनेस ने हेड कोच गौतम गंभीर पर भी दबाव बढ़ा दिया है। टीम की गेंदबाजी, चयन नीति और कॉम्बिनेशन को लेकर आलोचना तेज होती जा रही है।

2027 विश्व कप की तैयारी पर मंडराने लगा खतरा

टी20 विश्व कप जीत के बाद जिस टीम से नई शुरुआत की उम्मीद थी, वही अब लगातार हार और अस्थिर प्रदर्शन से जूझ रही है। यदि भारतीय टीम ने जल्द अपनी गेंदबाजी, टीम चयन और रणनीति की कमियों को दूर नहीं किया तो इसका सीधा असर 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों पर पड़ सकता है। ऐसे में अब केवल भरोसे और बयानों से काम नहीं चलेगा, बल्कि मैदान पर ठोस प्रदर्शन और स्पष्ट रणनीति ही टीम इंडिया को फिर से जीत की राह पर लौटा सकती है।

%शोर होने दीजिए, तभी तो मजा है%,

रोहित शर्मा ने रिटायरमेंट की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी आलोचकों पर जमकर बरसे

लंदन, एजेंसी

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे में 138 रनों की शानदार पारी खेलकर न सिर्फ आलोचकों का मुंह बंद किया, बल्कि अपने संन्यास को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर भी करारा जवाब दे दिया। पिछले कुछ समय से यह चर्चा तेज थी कि लॉर्ड्स वनडे रोहित शर्मा के अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला हो सकता है, लेकिन मैच के बाद उनके बयान ने साफ कर दिया कि फिलहाल उनका पूरा फोकस सिर्फ भारतीय टीम के लिए खेलना और रन बनाना है।

मैच के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा साझा किए गए वीडियो में रोहित शर्मा ने कहा कि उन्होंने अपने पूरे करियर में केवल एक ही बात को महत्व दिया है और वह है मैदान पर प्रदर्शन। उन्होंने कहा, मेरा काम बल्ले से प्रदर्शन करना है। मैदान पर उतरना, अपने देश का प्रतिनिधित्व करना और टीम के लिए खेलना। डेब्यू के दिन से मुझे यही जिम्मेदारी मिली है और मैं आगे भी यही करता रहूंगा।÷ रोहित ने साफ कहा कि मैदान के बाहर होने वाली चर्चाएं और अफवाहें उनके खेल को प्रभावित नहीं करतीं। उनके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता टीम की सफलता में योगदान देना है।

आलोचकों को दिया दो टूक जवाब

39 वर्षीय रोहित शर्मा ने कहा कि जब से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा है, तब से उनके खेल, फिटनेस, कप्तानी और भविष्य को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। लेकिन उन्होंने कभी इन आवाजों को अपने प्रदर्शन पर हावी नहीं होने दिया। रोहित ने कहा, जब से मैंने डेब्यू किया है, तब से यह शोर हमेशा रहा है और जब तक मैं खेलूंगा, तब तक चलता रहेगा। इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरे लिए सबसे अहम बात यह है कि मैं मैदान पर क्या करता हूं और टीम की सफलता में कितना योगदान देता हूं।

शोर नहीं होगा तो मजा भी नहीं आएगा

अपने खास अंदाज में रोहित ने आलोचनाओं पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, शोर होने दीजिए। अगर शोर नहीं होगा तो मजा भी नहीं आएगा। मेरा काम मैदान के अंदर है, बाहर क्या कहा जा रहा है, वह दूसरों का काम है। मैं उसी पर ध्यान देता हूं जो मेरे नियंत्रण में है। रोहित के इस बयान को उनके संन्यास को लेकर चल रही चर्चाओं का सीधा जवाब माना जा रहा है।

आईसीसी ने किया सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों का एलान, नाथन स्मिथ ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने जून 2026 के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड्स की घोषणा कर दी है। पुरुष वर्ग में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ और महिला वर्ग में इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज डैनी व्याॉट-हॉज को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया है। 27 वर्षीय नाथन स्मिथ ने इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से टेस्ट सीरीज जीत में न्यूजीलैंड की सफलता में अहम भूमिका निभाई। टीम के कई प्रमुख तेज गेंदबाजों के चोटिल होने के बावजूद स्मिथ ने नई गेंद से जिम्मेदारी संभाली और पूरी सीरीज में 23 की औसत से 16 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने इस पुरस्कार की दौड़ में भारत के कप्तान शुभमन गिल और बांग्लादेश के ऑलराउंडर मोसादेक हुसैन को पीछे छोड़ा।स्मिथ का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पहले टेस्ट में लॉर्ड्स पर देखने को मिला, जहां उन्होंने दूसरी पारी में 6/70 विकेट लेकर मैच में कुल नौ विकेट झटके। दूसरे टेस्ट में उन्होंने

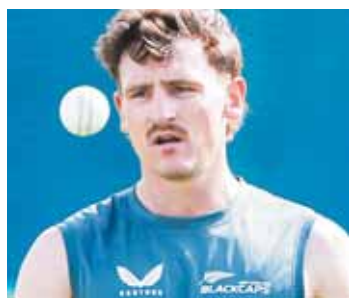

एक विकेट लेने के अलावा 38 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। वहीं निर्णायक तीसरे टेस्ट की पहली पारी में 4/91 और दूसरी पारी में दो विकेट लेकर न्यूजीलैंड को ऐतिहासिक सीरीज जीत दिलाने में अहम योगदान दिया। अवार्ड मिलने पर स्मिथ ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए बेहद खास है, लेकिन उनकी प्राथमिकता हमेशा टीम की जीत में योगदान देना रही है। उन्होंने कहा कि चोटों के कारण उन्हें नई गेंद से गेंदबाजी की अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी पड़ी और वह इस चुनौती पर खरा उतरने से संतुष्ट हैं।

बांग्लादेश कप्तान मुश्किल में, आचार संहिता उल्लंघन पर BCB ने भेजा समन

नई दिल्ली। बांग्लादेश टी20 टीम के कप्तान लिटन दास को कथित तौर पर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की आचार संहिता का उल्लंघन करने के मामले में अनुशासन समिति के सामने पेश होना पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक, लिटन दास बिना बोर्ड को जानकारी दिए पिंडली (काफ) की चोट से उबरने के दौरान चीन चले गए थे। इस दौरान उन्होंने अपनी मेडिकल स्थिति और रिहैबिलिटेशन से जुड़ी जानकारी भी BCB को नहीं दी, जिससे बोर्ड के अधिकारी नाराज बताए जा रहे हैं। 30 साल के विकेटकीपर-बल्लेबाज जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज से चोट के कारण बाहर हो गए थे। इसी चोट की वजह से उन्हें लंका प्रीमियर लीग से भी नाम वापस लेना पड़ा। अब वह आगे के इलाज और मेडिकल जांच के लिए 20 जुलाई को सिंगापुर जाने वाले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, जिम्बाब्वे दौरे से लौटने के बाद लिटन चीन चले गए थे, लेकिन उन्होंने इसकी जानकारी BCB को नहीं दी। सेन्ट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल खिलाड़ी होने के कारण बोर्ड ने इसे संभावित आचार संहिता का उल्लंघन माना है।

जिम्मेदारी सिर्फ हेड कोच गौतम गंभीर

अपमानित हो रहे कुलदीप यादव!

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया को टी20 और वनडे सीरीज में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। खास तौर पर भारतीय टीम की गेंदबाजी की इंग्लैंड में पोल खोल खुल गई। इसके अलावा प्लेइंग इलेवन में खिलाड़ियों के चुनाव को लेकर गौतम गंभीर की भी जमकर आलोचना हो रही है। खास तौर पर लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे में कुलदीप यादव को बाहर बिठाए जाने पर रविचंद्रन अश्विन ने अपनी निराशा जाहिर की है।

इसके साथ ही अश्विन ने मोहम्मद कैफ के उस बयान का भी समर्थन किया, जिसमें उन्होंने कुलदीप को अपना बैग पैक करके घर वापस आने की सलाह दी थी। अश्विन ने कहा कि वाशिंगटन सुंदर और जसप्रीत बुमराह के चोटिल होने के बावजूद कुलदीप को नजरअंदाज करना यह दिखाता है कि टीम मैनेजमेंट को उनकी क्षमताओं पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं है। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे

सीरीज के पहले दो मैच में कुलदीप यादव नहीं खेले थे। इसके पीछे ये तर्क दिया गया कि हेड कोच गौतम गंभीर टीम में बैटिंग डेप्थ चाहते हैं, जबकि कुलदीप एक विशुद्ध स्पिन गेंदबाज हैं। अब बल्लेबाजी की गहराई तब होगी जब हार्दिक पंड्या या फिर नितीश रेड्डी टीम में होंगे। लेकिन ये दोनों अभी चोटिल हैं, ऐसे में कुलदीप को अगर प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाता है तो एक बल्लेबाज कम खिलाना पड़ेगा।

कुलदीप के साथ टीम में गलत हो रहा है-अश्विन

कुलदीप के समर्थन में अश्विन ने कहा कि उनके लिए वह दुनिया के सबसे बेहतरीन कलाई के स्पिनर हैं और वे टीम में इस तरह के बर्ताव के हकदार नहीं थे। उन्होंने कहा, कल से पहले तक मैं कहा करता था कि कुलदीप को वहीं रहना चाहिए, किट-बैग के साथ अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने की कोशिश करनी चाहिए। लेकिन कल के बाद बहुत सी चीजें बदल गईं। इस टीम में जहां आपको आठवें नंबर पर बल्लेबाजी की जरूरत नहीं थी, आप गेंदबाजी की ताकत के साथ गए थे। अश्विन ने कहा, जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी के बावजूद आप कुलदीप यादव को नहीं खिला रहे हैं। इसका मतलब है कि कुलदीप यादव पर मैनेजमेंट का भरोसा बिल्कुल शून्य है। टीम प्रबंधन को कुलदीप यादव पर जरा भी भरोसा नहीं है। मेरे जाने के बाद कुलदीप का मौका कहां है? अब उन्हें नंबर एक होना चाहिए था, लेकिन उन पर जो भरोसा दिखाया जा रहा है वह शून्य है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

पति के ऑनस्क्रीन किस ने तोड़ा रुबीना का भरोसा!

बोलीं- सीन से नहीं, उसे छिपाने से हुआ दुख

टीवी इंडस्ट्री के चर्चित कपल रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। दोनों इन दिनों अपने यूट्यूब शो POV के जरिए रिश्तों, मनोरंजन और समसामयिक मुद्दों पर खुलकर चर्चा कर रहे हैं। हाल ही में शो में अभिनेत्री हिना खान और रॉकी जायसवाल मेहमान बनकर पहुंचे। बातचीत के दौरान ऑनस्क्रीन रोमांस और किसिंग सीन का मुद्दा उठा, जिस पर रुबीना और अभिनव ने अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा दिलचस्प किस्सा साझा किया। रुबीना दिलैक ने बताया कि उन्होंने अपने पूरे करियर में कभी ऑनस्क्रीन किसिंग सीन नहीं किए। हालांकि, अभिनव शुक्ला फिल्म अक्सर 2 में कई रोमांटिक और किसिंग सीन कर चुके हैं।

अभिनव ने बताई पूरी कहानी

रुबीना ने खुलासा किया कि उन्हें इन सीन के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी। जब उन्होंने फिल्म देखी, तभी पता चला कि अभिनव ने फिल्म में कई बार किस किया है। यह देखकर उन्हें गहरा दुख पहुंचा। रुबीना ने साफ किया कि उनकी नाराजगी किसिंग सीन को लेकर नहीं थी, बल्कि इस बात को लेकर थी कि अभिनव ने उनसे यह बात छिपाई। उन्होंने कहा कि वह अपनी हर स्क्रिप्ट और किरदार को लेकर अभिनव से चर्चा करती हैं, इसलिए उन्हें उम्मीद थी कि पति भी उनसे ऐसी महत्वपूर्ण बातें साझा करेंगे। अभिनव शुक्ला ने अपनी सफाई में कहा कि जब उन्हें फिल्म की स्क्रिप्ट मिली थी, तब केवल एक-दो लिपलॉक सीन का जिक्र था। बाकी रोमांटिक दृश्यों को लेकर निर्माता पूरी तरह आश्वस्त नहीं थे और उन्होंने तय किया था कि कलाकारों की सहजता के आधार पर ही इन्हें फिल्माया जाएगा।

10 साल छोटी हसीना के प्यार में अर्जुन कपूर?

डेटिंग पर एक्ट्रेस ने तोड़ी चुप्पी, एक लाइन में बता दी सच्चाई

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर एक बार फिर अपनी फिल्मों से ज्यादा निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बार उनका नाम अभिनेत्री और सोशल मीडिया स्टार साहिबा बाली के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों को रविवार को लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए वनडे मुकाबले के दौरान साथ देखा गया। जैसे ही दोनों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए, उनके रिश्ते को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। लाइव प्रसारण के दौरान अर्जुन और साहिबा एक साथ मैच का आनंद लेते नजर आए। बस फिर क्या था, सोशल मीडिया पर दोनों की डेटिंग की अफवाहें तेजी से फैलने लगीं। कई यूजर्स ने दोनों की साथ मौजूदगी को उनके रिश्ते से जोड़ना शुरू कर दिया।

साहिबा ने अफवाहों पर लगाया विराम

डेटिंग की खबरों ने जोर पकड़ते ही साहिबा बाली ने खुद सामने आकर इन चर्चाओं पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लॉर्ड्स से अर्जुन कपूर के साथ एक तस्वीर साझा की। फोटो के साथ उन्होंने लिखा, हर चीज पर यकीन मत करो। इसके साथ उन्होंने अर्जुन कपूर को भी टैग किया। साहिबा का यह पोस्ट साफ इशारा था कि दोनों के बीच डेटिंग जैसी कोई बात नहीं है और सोशल मीडिया पर चल रही खबरें महज अफवाह हैं। उनके इस जवाब के बाद फैंस के बीच चल रही अटकलों पर काफी हद तक विराम लग गया। अफवाहों के बीच दोनों की उम्र का अंतर भी चर्चा का विषय बन गया। अर्जुन कपूर 41 साल के हैं, जबकि साहिबा बाली 31 साल की हैं। यानी दोनों के बीच करीब 10 साल का एज गैप है। हालांकि, साहिबा के बयान के बाद यह स्पष्ट हो गया कि दोनों के रिश्ते को लेकर की जा रही बातें बेबुनियाद हैं।

मेट्रो बाजार

हुंडई ने खोला 30,000 चार्जिंग प्वाइंट्स का नेटवर्क, हर 25 किमी पर मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने की दिशा में हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने घोषणा की है कि अब उसके माई हुंडई ऐप के जरिए देशभर में 30,000 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग प्वाइंट्स तक पहुंच संभव होगी। इस पहल के साथ हुंडई ने ग्राहकों को एक ही प्लेटफॉर्म पर देश के सबसे बड़े एकीकृत ईवी चार्जिंग नेटवर्क में से एक उपलब्ध कराया है। कंपनी का कहना है कि यह सुविधा केवल हुंडई ग्राहकों तक सीमित नहीं है, बल्कि सभी ब्रांडों के इलेक्ट्रिक वाहन मालिक इसका लाभ उठा सकेंगे। इससे देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है। हुंडई के अनुसार, माई हुंडई ऐप उपयोगकर्ताओं को कई सुविधाएं एक साथ उपलब्ध कराता है। इसके जरिए नजदीकी चार्जिंग स्टेशन खोजे जा सकते हैं, वहां तक नेविगेशन किया जा सकता है, पहले से चार्जिंग स्लॉट बुक किया जा सकता है और डिजिटल माध्यम से भुगतान भी किया जा सकता है। इस एकीकृत प्रणाली का उद्देश्य ईवी चार्जिंग को पहले से कहीं अधिक आसान और सुविधाजनक बनाना है। कंपनी ने बताया कि उसका यह नेटवर्क देशभर में औसतन हर 25 किलोमीटर के दायरे में चार्जिंग सुविधा उपलब्ध कराने में सक्षम है। इसमें दिल्ली-गुरुग्राम-जयपुर, मुंबई-पुणे-बेंगलुरु, मुंबई-रत्नागिरी-गोवा, चेन्नई-वेल्लोर-बेंगलुरु और हैदराबाद-कर्नूल-बेंगलुरु जैसे प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग भी शामिल हैं।

समुद्री ताकत : अब कोलंबो-सिंगापुर नहीं भारतीय बंदरगाह बनेंगे ट्रांसशिपमेंट के नए केंद्र

नई दिल्ली। वैश्विक समुद्री व्यापार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने और विदेशी ट्रांसशिपमेंट हब पर निर्भरता कम करने के लिए भारत बड़े स्तर पर अपने प्रमुख बंदरगाहों का आधुनिकीकरण कर रहा है। सरकार कई प्रमुख बंदरगाहों की जलगहराई (ड्राफ्ट) बढ़ाने के साथ-साथ नए गहरे समुद्री टर्मिनलों का निर्माण कर रही है, ताकि दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाज सीधे भारतीय बंदरगाहों पर आ-जा सकें। इससे अब तक कोलंबो और सिंगापुर के जरिए होने वाला ट्रांसशिपमेंट कारोबार भारत की ओर आकर्षित होने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के मुताबिक, चेन्नई के निकट एन्नोर स्थित कामराजर बंदरगाह, ओडिशा के पारादीप बंदरगाह और गुजरात के कच्छ स्थित दीनदयाल बंदरगाह की ड्राफ्ट गहराई 14 मीटर से बढ़ाकर 18 मीटर की जा रही है। इससे ये बंदरगाह विशाल 'मदर वेसल' यानी बड़े मालवाहक कंटेनर जहाजों को संभाल सकेंगे। ऐसे जहाज एक बार में हजारों कंटेनर लेकर चलते हैं और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की रीढ़ माने जाते हैं। हाल ही में दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाजों में शामिल एमएससी इरिना का केरल के विझिंजम बंदरगाह पहुंचना भारत की समुद्री क्षमता में बढ़ोतरी का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है। यह दर्शाता है कि भारतीय बंदरगाह अब वैश्विक स्तर के बड़े जहाजों को संभालने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 7,500 किलोमीटर से अधिक लंबी समुद्री तटरेखा होने और दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों के पास स्थित होने के बावजूद भारत के पास लंबे समय तक ऐसे बंदरगाह नहीं थे, जहां 14,000 से 24,000 टीईयू क्षमता वाले कंटेनर जहाज सीधे आ सकें। यही वजह थी कि भारतीय कार्गो का बड़ा हिस्सा पहले कोलंबो, सिंगापुर या अन्य विदेशी ट्रांसशिपमेंट हब तक जाता था।

भारी बारिश के बाद सलाल डैम के सारे गेट खोले गए

रियासी/राजौरी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण चिनाब नदी और सलाल बांध के जलाशय में पानी का स्तर तेजी से बढ़ गया। स्थिति को देखते हुए आज सलाल बांध के सभी गेट खोल दिए गए, ताकि अतिरिक्त पानी को सुरक्षित तरीके से छोड़ा जा सके और जलाशय का स्तर नियंत्रित रखा जा सके। पिछले कई घंटों से रियासी क्षेत्र में लगातार तेज बारिश हो रही है। इसके चलते चिनाब नदी में पानी की आवक काफी बढ़ गई, जिससे बांध के जलाशय में भी जलस्तर तेजी से ऊपर पहुंच गया। अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के बाद चिनाब नदी का जलस्तर और बहाव दोनों काफी बढ़ गए हैं। प्रशासन ने खासकर चिनाब नदी के किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की है।

एनआईए की एफआईआर के बाद ईडी ने 8 ठिकानों में ली तलाशी

पर्सनैलिटी डेवलपमेंट कैंप की आड़ में हो रही थी आईएसआईएस में भर्ती

बेंगलुरु. एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज बेंगलुरु में आठ ठिकानों पर तलाशी लेकर आईएसआईएस से कथित तौर पर जुड़े भर्ती और फंडिंग नेटवर्क की जांच तेज कर दी। यह कार्रवाई नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की ओर से दर्ज एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत की गई। ईडी के अनुसार, शुरुआती जांच में सामने आया है कि इकरा वेलफेयर ट्रस्ट और जीएफएम ट्रस्ट के जरिए जुटाए गए पैसों का कथित इस्तेमाल युवाओं को आईएसआईएस में भर्ती करने और उन्हें सहायता पहुंचाने में किया गया।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, आरोपियों ने मुस्लिम युवाओं के लिए 'इकरा कैंप' नाम से पर्सनैलिटी डेवलपमेंट वर्कशॉप के नाम का साप्ताहिक अध्ययन समूह चलाया गया। आरोप है कि इन कार्यक्रमों के जरिए युवाओं की पहचान कर उन्हें कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित किया गया और आईएसआईएस से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। एनआईए ने मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। आरोप है कि नेटवर्क ने युवाओं को तुर्की के रास्ते सीरिया भेजने में मदद की और आईएसआईएस के लिए फंड जुटाने व उसे आगे पहुंचाने का काम किया। ईडी अब छापों में मिले दस्तावेजों, डिजिटल सामग्री और वित्तीय लेन-देन की जांच कर रही है। एजेंसी का उद्देश्य कथित मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क, फंडिंग के स्रोत और इससे जुड़े अन्य लोगों का पता लगाना है। मामले में आगे की जांच जारी है।

फंडिंग से लेकर विदेश यात्रा तक की जांच

ईडी की जांच का मुख्य फोकस कथित आतंकी फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क पर है। अधिकारियों के अनुसार, तलाशी के दौरान मिले वित्तीय दस्तावेजों, लेन-देन और अन्य सामग्री का विश्लेषण किया जा रहा है। जांच एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कथित तौर पर जुटाई गई रकम किन माध्यमों से आई और उसका इस्तेमाल किन गतिविधियों में किया गया। एजेंसियां यह भी जांच रही हैं कि क्या युवाओं को प्रभावित करने, उन्हें आईएसआईएस से जोड़ने और विदेश भेजने के लिए किसी संगठित नेटवर्क ने काम किया।

एनआईए ने चार्जशीट दाखिल की

ईडी की कार्रवाई एनआईए द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग की जांच से जुड़ी है। एनआईए ने यूएपीए की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था, जिसमें आतंकवादी गतिविधियों के लिए फंड जुटाने, तैयारी करने और लोगों की भर्ती से जुड़े आरोप शामिल हैं। जांच के दौरान चार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद एनआईए ने पांच लोगों को आरोपी बनाते हुए चार्जशीट दाखिल की। एजेंसियों का आरोप है कि यह नेटवर्क प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़ी गतिविधियों के लिए युवाओं को प्रभावित कर रहा था। अब ईडी यह पता लगाने में जुटी है कि कथित नेटवर्क को पैसा कहां से मिल रहा था और उसे किस तरह इस्तेमाल किया जा रहा था।

'इकरा कैंप' पर जांच एजेंसियों की नजर

जांच एजेंसियों के अनुसार, कथित नेटवर्क ने युवाओं तक पहुंच बनाने के लिए 'इकरा कैंप' नाम की पर्सनैलिटी डेवलपमेंट वर्कशॉप के नाम से साप्ताहिक अध्ययन समूह का इस्तेमाल किया। आरोप है कि इन कार्यक्रमों के जरिए प्रभावशाली और आसानी से प्रभावित होने वाले युवाओं की पहचान की जाती थी। इसके बाद उन्हें कथित तौर पर आईएसआईएस की विचारधारा से प्रभावित कर संगठन में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जाता था। एजेंसियों का दावा है कि नेटवर्क ने फंड जुटाने और उसे आगे पहुंचाने के साथ कुछ लोगों की तुर्की के रास्ते सीरिया जाने में मदद भी की। ईडी अब इन गतिविधियों से जुड़े वित्तीय लेन-देन और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है।

अफगानिस्तान में आई बाढ़ से 20 की मौत 100 से ज्यादा लोग लापता, रेस्क्यू जारी

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान में अचानक आई बाढ़ से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 100 से ज्यादा लोग लापता हैं। अफगानिस्तान नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद ने बताया कि बाढ़ पूर्वी प्रांत नूरिस्तान में आई और लापता लोगों का पता लगाने के लिए खोज और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम सभी नागरिकों से अपील करते हैं कि वे बाढ़ की आशंका वाले और जोखिम भरे इलाकों से दूर रहें। हम्माद ने कहा, दुर्भाग्य से, आज पारुन शहर और नूरिस्तान प्रांत के कई अन्य इलाकों में आई भीषण बाढ़ के कारण हमारे साथी नागरिकों की जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि बाढ़ से लोगों के घरों, कृषि भूमि और सार्वजनिक सुविधाओं को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है।

देश के 34 में से 10 प्रांतों पर भारी बारिश का अनुमान

ट्रांसपोर्ट और सिविल एविएशन मिनिस्ट्री के मौसम विभाग ने बताया कि देश के 34 में से 10 प्रांतों में और ज़्यादा खराब मौसम की आशंका है। इन राज्यों में भारी बारिश, आंधी-तूफान, धूल और रेत वाली तेज हवाएं और अचानक बाढ़ आने का अनुमान है। मंत्रालय ने लोगों को नदियों के किनारे और बाढ़ के खतरे वाले इलाकों से दूर रहने की चेतावनी दी है।

बता दें कि अफगानिस्तान में मौसम की चरम घटनाओं का खतरा बहुत ज़्यादा रहता है। बर्फबारी और भारी बारिश से अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) का खतरा लगातार बना रहता है। अक्सर ऐसे मामलों में एक ही बार में दर्जनों या सैकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। साल 2024 में, वसंत ऋतु में आई अचानक बाढ़ में 300 से ज़्यादा लोगों की मौत हुई थी। वहीं इस साल की शुरुआत में भी देश के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण कम से कम 110 लोगों की मौत हो गई थी।

सबरीमाला सोना चोरी मामला: हाई कोर्ट का आदेश, SIT अंतिम रिपोर्ट जल्द दाखिल करे

कोच्चि, एजेंसी

केरलम हाई कोर्ट ने सोमवार को सबरीमाला के भगवान अयप्पा मंदिर से सोना चोरी होने की जांच कर रही एसआइटी को निर्देश दिया कि वह जांच पूरी करे और जल्द से जल्द अपनी अंतिम रिपोर्ट दाखिल करे।

जस्टिस राजा विजयराघवन वी और के वी जयकुमार की डिवीजन बेंच ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम द्वारा दाखिल स्टेटस रिपोर्ट पर विचार करने के बाद यह निर्देश जारी किया। यह रिपोर्ट 2019 में री-प्लेटिंग के काम के दौरान द्वारपालक (रक्षक देवता) की प्लेटों और श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजे के फ्रेम से सोना गायब होने से जुड़े दो मामलों के बारे में थी। एसआईटी के अनुसार, जमशेदपुर स्थित सीएसआइआर-नेशनल मेटालर्जिकल लेबोरेटरी में खास वैज्ञानिक जांचें की गईं, जैसे कि एक्स-रे फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी, इंडक्टिवली कपल्ड प्लाज़्मा मास स्पेक्ट्रोमेट्री और ऑप्टिकल एमिशन स्पेक्ट्रोस्कोपी। यह देश का एकमात्र संस्थान है जो इस तरह का एडवांस्ड मेटालर्जिकल एनालिसिस करने में सक्षम है। पीठ ने कहा कि मामला केवल दृश्य या परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर नहीं टिका है और अभियोजन काफी हद तक वैज्ञानिक और फोरेंसिक साक्ष्य पर भरोसा कर रहा है। अदालत ने कहा, 'अब जब अंतिम वैज्ञानिक रिपोर्ट प्राप्त हो गई है, तो हम जांच एजेंसी को द्वारपालका मामले में जांच पूरी करने और न्यायक्षेत्र अदालत के समक्ष अंतिम रिपोर्ट जल्द से जल्द दाखिल करने का निर्देश देते हैं।' मामले की तारीख तीन सितंबर तय की गई है।

बंगाल : कोरोना के 3 नए मरीज मिलने से हड़कंप

कोलकाता। कोलकाता में कोरोना के तीन और मामले सामने आए हैं, जिससे संक्रमितों की संख्या चार हो गई है। इससे पहले 11 साल के एक बच्चे को कोरोना संक्रमित पाया गया था। चारों का फिलहाल विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। सभी मरीजों में बुखार, गले में दर्द, तेज खांसी और सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण पाए गए हैं। चिकित्सकों ने लोगों को सलाह दी है कि कोरोना जैसे लक्षण दिखाई देने पर बिना चिकित्सकीय सलाह के एंटीबायोटिक दवाएं न लें। बरसात के मौसम में वायरस जनित बीमारियों के मामले सामान्य रूप से बढ़ते हैं। इस बार कोरोना के साथ एडिनो वायरस के संक्रमण में भी वृद्धि देखी जा रही है इसलिए लोगों को लक्षण नजर आने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेने और सावधानी बरतने की जरूरत है।

दक्षिणी नौसेना कमान में बहुराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा अभ्यास शुरू, 26 देश ले रहे हिस्सा

कोच्चि, एजेंसी

दक्षिणी नौसेना कमान में सोमवार को ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस 26-2 शुरू हुआ, जो चार दिन तक चलने वाला एक बहुराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम है।

रक्षा विभाग के एक प्रवक्ता के अनुसार, यह अभ्यास दक्षिणी नौसेना कमान द्वारा भारतीय नौसेना के नेतृत्व वाली कंबाइंड टास्क फोर्स 154 की देखरेख में और कंबाइंड मैरीटाइम फोर्सेज की साझेदारी में आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में 26 देशों के 254 प्रतिभागी शामिल हुए हैं, जिन्हें 74 फैसिलिटेटर, चार अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि और विषय-विशेषज्ञों का सहयोग मिल रहा है। यह अभ्यास भारत में आयोजित होने वाले ऑपरेशन सदर्न रेडीनेस का पहला संस्करण है और भारतीय नौसेना तथा कंबाइंड मैरीटाइम फोर्सेज के बीच बढ़ते सहयोग में मील का पत्थर है। इसमें आगे कहा गया है, कंबाइंड टास्क फोर्स 154, जो कंबाइंड मैरीटाइम फोर्सेज की खास ट्रेनिंग टास्क फोर्स है, अभी भारतीय नौसेना की कमान में है। यह बहुराष्ट्रीय समुद्री प्रशिक्षण के जरिए कंबाइंड मैरीटाइम फोर्सेज के सहयोगी देशों की क्षमता, आपसी तालमेल और पेशेवर तैयारी को मजबूत करने पर ध्यान देती है।

मेट्रो एंकर बेंगलुरु में फिर शुरू की जिंदगी, सोशल मीडिया पर कहानी ने जीता दिल

कनाडा का शानदार कॅरियर छोड़ मां-बाप के लिए लौट आया बेटा

बेंगलुरु, एजेंसी

विदेश में जाकर कॅरियर बनाना और वहीं बस जाना आज लाखों युवाओं का सपना है, लेकिन बेंगलुरु के रमेश एनएन ने इस दौड़ से अलग एक ऐसा फैसला लिया, जो परिवार की अहमियत को सामने लाता है। कनाडा में अच्छी नौकरी और व्यवस्थित जिंदगी के बावजूद रमेश ने अपने बुजुर्ग माता-पिता के साथ रहने के लिए करीब छह साल पहले भारत लौटने का फैसला किया। उनका कहना है कि वीडियो कॉल पर माता-पिता से बात करते हुए उन्हें यह महसूस होता था कि परिवार के साथ बिताया जा सकने वाला समय हमेशा के लिए टाला नहीं जा सकता।

रमेश अब आईटी फर्म कोरसेंट्रिक में इंजीनियरिंग डायरेक्टर हैं। उन्होंने लिंक्डइन पर अपनी कहानी साझा करते हुए बताया कि कनाडा छोड़कर भारत लौटना आसान नहीं था। विदेश में स्थापित कॅरियर और

सुविधाजनक जीवन को पीछे छोड़कर उन्हें भारत में नए सिरे से पेशेवर सफर शुरू करना पड़ा। हालांकि, बेंगलुरु के मजबूत टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम ने उन्हें कॅरियर को फिर से गति देने का अवसर दिया। रमेश ने बताया कि शुरुआत में भारत लौटने का फैसला चुनौतीपूर्ण लगा, लेकिन समय के साथ यही निर्णय उन्हें बेहतर लगने लगा। उनके पोस्ट पर सोशल मीडिया यूजर्स ने भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। कई लोगों ने परिवार को प्राथमिकता देने के उनके फैसले की सराहना की और अपने विदेश से भारत लौटने के अनुभव साझा किए। रमेश ने बताया कि कनाडा में रहते हुए उनकी जिंदगी अच्छी तरह चल रही थी। नौकरी, कॅरियर और सुविधाओं की कमी नहीं थी, लेकिन माता-पिता से दूरी उन्हें लगातार खलती थी। वीडियो कॉल पर उनसे बातचीत के दौरान कई बार उनकी आंखें भर आती थीं। उन्हें महसूस हुआ कि माता-पिता के साथ बिताने वाला समय वापस नहीं आता और इसे हमेशा भविष्य के लिए टालना सही नहीं है। इसी सोच ने उन्हें बड़ा फैसला लेने के लिए प्रेरित किया। करीब छह साल पहले उन्होंने कनाडा की स्थापित जिंदगी छोड़कर भारत लौटने का निर्णय लिया था।

भारत में फिर शुरू किया कॅरियर

कनाडा छोड़कर भारत लौटने के बाद रमेश के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपना कॅरियर दोबारा स्थापित करने की थी। विदेश में उनका पेशेवर जीवन पहले से व्यवस्थित था, लेकिन भारत आने के बाद उन्हें नए माहौल में शुरुआत करनी पड़ी। हालांकि, बेंगलुरु के मजबूत टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम ने उनके लिए यह बदलाव आसान बनाया। रमेश के अनुसार, शुरुआत में जिन चीजों को उन्होंने चुनौती माना था, समय के साथ वही अवसर नजर आने लगीं। उन्होंने बेंगलुरु में नई नौकरी शुरू की और अब आईटी फर्म कोरसेंट्रिक में इंजीनियरिंग डायरेक्टर के पद पर काम कर रहे हैं। उनका अनुभव बताता है कि कॅरियर में बदलाव कठिन जरूर हो सकता है, लेकिन सही प्राथमिकताओं और नए अवसरों के साथ जीवन को दोबारा व्यवस्थित किया जा सकता है।

परगवाल सेक्टर में BSF ने दबोचा पाकिस्तानी घुसपैठिया

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने एक बार फिर सतर्कता और मुस्तैदी का परिचय देते हुए घुसपैठ की एक कोशिश को नाकाम कर दिया है। 20 और 21 जुलाई की दरमियानी रात को बीएसएफ के संतरी ने बॉर्डर फेंसिंग के पास पाकिस्तान की तरफ से आ रही एक संदिग्ध हलचल देखी। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए बीएसएफ के जवानों ने बिना समय गंवाए घेराबंदी की और उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपनी पहचान मोहम्मद रफीक उर्फ काला (53 वर्ष) पुत्र मोहम्मद शफीक, निवासी गांव पिंडी, पाकिस्तान के रूप में बताई है। पूछताछ में उसने बताया कि वह पाकिस्तान के गांव लूणी से चला था और पाकिस्तान के ही गांव जुंग में अपनी विवाहित बहन से मिलने जा रहा था। बीएसएफ व्यक्ति से लगातार पूछताछ कर रही है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रसलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564